twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DLHIN/25/A2321

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 30 अगस्त, 2025 | वर्ष: 01, अंक: 02, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- 09/- दिव्य दिल्ली (इंग्लिस पेपर सहित)

कटिहार में छात्रों को कमरे में बंद करके पिटाई का एनएचआरसी ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने बिहार के कटिहार जिले के हफलागंज में एक शिक्षक द्वारा स्कूली छात्रों को कमरे में बंद करके पीटने के प्रकरण का स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में बिहार के मुख्य सचिव और कटिहार पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर 15 दिन के अंदर मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी के अनुसार, आयोग को मीडिया रिपोर्ट्स से जानकारी मिली कि 21 अगस्त को कटिहार जिले में हफलागंज इलाके के एक सरकारी स्कूल में 18 छात्रों को कमरे में बंद करके पिटाई की गयी थी। इसके बाद कुछ अभिभावकों ने स्कूल जाकर इस घटना की शिकायत की। एनएचआरसी ने कहा कि यह घटना मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मामला है, इसलिए इस पर कार्रवाई जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इस घटना के बाद 22 अगस्त को कई ग्रामीण स्कूल में इकट्ठा हुए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसको देखते हुए सभी पुरुष शिक्षक स्कूल छोड़कर भाग गए थे।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह शुक्रवार को कर्नाटक के दौरे पर

नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान 29 अगस्त (शुक्रवार) को कर्नाटक के दौरे पर जाएंगे। इस दौरान वे मैसूर स्थित सुत्तूर मठ में डॉ. शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामीजी की 110वीं जयंती समारोह समेत कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इस अवसर पर वे पौधरोपण भी करेंगे और भक्तों से संवाद करेंगे। मंत्रालय की विज्ञप्ति के मुताबिक, शिवराज सिंह बेंगलुरू स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के संस्थानों का भी दौरा करेंगे। वे सबसे पहले राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो जाएंगे, जहां वे पौधारोपण करेंगे। राष्ट्रीय कीट संग्रहालय और लाइव इनसेक्ट रिपोजिटरी का अवलोकन भी करेंगे तथा जैविक कीट नियंत्रण से जुड़ी आईसीएआर-एनबीएआईआर की नवीनतम प्रौद्योगिकियों की प्रदर्शनी देखेंगे। शिवराज आईसीएआर के राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान का दौरा करेंगे।

चुनाव: बिहार में एनडीए का फॉर्मूला तय

जदयू को मिल सकती हैं 100 सीटें, अपने कोटे से बाकी सहयोगियों को सीट देगी भाजपा

पटना

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान जब चिराग पासवान की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में पुनर्वापसी हुई थी और सीटों को लेकर पेच फंसा था, तभी मामले को सुलझाते हुए बिहार विधानसभा चुनाव में बेहतर का आश्वासन दिया गया था। यह आश्वासन सिर्फ चिराग को नहीं मिला था। जीतन राम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा को भी मिला था। और, सारे आश्वासन भारतीय जनता पार्टी की तरफ से मिले थे। सो, बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के अंदर सीटों के बंटवारे का गणित भी भाजपा के खाते में है अभी। कोटा तय हुआ है, सीटें नहीं। सीटों पर बात फाइनल करने के बाद एलान होगा। यह अब बहुत जल्द होने वाला है। उसके पहले समझाने का दौर चलना है।

कोटा में जदयू एक तरफ, बाकी इस बार भाजपा के खाते में

एनडीए के अंदर इस बार सीटों का बंटवारा इस तरह से हो रहा है कि जनता दल यूनाईटेड एक तरफ है और दूसरी तरफ भाजपा व बाकी दल। एनडीए में बिहार विधानसभा की 243 में से 100 सीटें जदयू को मिल रही हैं। जदयू इसे बढ़ाने की कोशिश में है, लेकिन भाजपा उसे इतने पर राजी कराने की कोशिश में है। भाजपा के कोटे में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा है। भाजपा को 143 सीटों में से अपने पास 100+ रखकर बाकी को बांटना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने ताजा दिल्ली दौरे में इसपर बात करने के लिहाज से भी तैयारी कर गए थे। सीट बंटवारे में जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा की अहम भूमिका है। जदयू अभी अपनी सीटें भी घोषित नहीं कर रहा है, क्योंकि एनडीए की एकता दिखाने के लिए भाजपा पहले अपने कोटे के सभी दलों को समझा कर तैयार कर लेगी, फिर यह होगा।

उपेंद्र कुशवाहा को विधानसभा चुनाव में क्या मिलने वाला है?

भाजपा ने मांझी और चिराग को केंद्र में मंत्री की कुर्सी दे रखी है। उपेंद्र कुशवाहा इसके इंतजार में हैं। वह केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार में एक बार मंत्री रह चुके हैं। मानव संसाधन राज्यमंत्री थे। ताकत भी थी। लेकिन, पारस की तरह वह भी निकल गए थे। इस बार एनडीए में प्रवेश भाजपा के खाते से हुआ है। कभी नीतीश कुमार के करीबी रहे थे और बीच में अपनी पार्टी का विलय भी जदयू में करा दिया था। लेकिन, पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह से खटास के बाद वह निकले और फिर राष्ट्रीय लोक मोर्चा बना लिया। इस बार वह भाजपा खाते से हैं।

चिराग हमेशा भाजपा कोटे में रहे, इस बार भी उन्हीं पर ध्यान

लोक जनशक्ति पार्टी बनाने वाले दिवंगत रामविलास पासवान लंबे समय तक एनडीए में रहे थे। उनके निधन के बाद भाई पशुपति कुमार पारस और बेटे चिराग पासवान के बीच दूरियां बनीं। तात्कालिक फायदा पारस को मिला और वह केंद्र में मंत्री बन गए। बिहार विधानसभा चुनाव में जदयू को बिहार में तीसरे नंबर की पार्टी बनाने में कामयाब रहे चिराग पासवान को भाजपा फिर से अपने साथ ला रही है, यह साफ दिखने वाली बात पारस नहीं समझ सके और खुद ही केंद्रीय मंत्री का पद छोड़कर निकल गए। इसके बाद न उनकी एनडीए में वापसी हुई और न महागठबंधन में भाव मिला। ऐसे में लोजपा के एक हिस्से, यानी लोजपा (रामविलास) को लोकसभा में चुनिंदा सीटें मिलीं और जीत भी। इससे उनका नंबर बढ़ा और केंद्रीय मंत्री पद की ताकत मिली। इस बार विधानसभा चुनाव के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान ही बात हो गई थी कि चिराग बिहार में मजबूत स्थिति चाहते हैं। भाजपा ने तब भी वह आश्वासन दिया था और अब भी अपने कोटे से बाकी तीनों दलों के मुकाबले ज्यादा सीटें देने को तैयार है। बस, भाजपा का एक हिस्सा यह मानता है कि जदयू को सीटें देना मजबूरी है, लेकिन बाकी तीनों दलों में से किसी को बहुत ताकतवर बनाना उसके लिए मुफीद नहीं। इसलिए, लोजपा (रामविलास) की सीटें फाइनल होने में समय लग रहा है। चिराग पासवान 40 तक सीटें चाह रहे हैं, लेकिन उन्हें 20 से अधिक सीटें नहीं देने की राय बनी हुई है।

जदयू कोटे से निकल मांझी भाजपा कोटे में चले गए थे

एनडीए में सीटों का बंटवारा कोटे पर कई बार हो चुका है। इस बार भी वही हुआ है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में जीतन राम मांझी की पार्टी- हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी- जनता दल यूनाईटेड के खाते में थी। यही कारण है कि 2020 के जनादेश से उलट जब नीतीश कुमार महागठबंधन के मुख्यमंत्री बने तो मांझी उस तरफ थे। विपक्षी एकता के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब सारा सीन बना रहे थे, तब वह मांझी पर भरोसा नहीं कर रहे थे। 23 जून 2023 को विपक्षी दलों की पटना में बैठक से पहले मांझी के बेटे संतोष सुमन ने महागठबंधन सरकार से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद जदयू के अंदर बहुत कुछ हुआ और दिसंबर 2023 में जब नीतीश कुमार ने पार्टी की कमान अपने पास ली तो अगले महीने, यानी जनवरी 2024 में वह फिर से एनडीए में वापस आ गए। मांझी के बेटे संतोष सुमन ने जब इस्तीफा दिया था, तभी से वह एक तरह से भाजपा कोटे में हैं। जदयू से अलग, एनडीए में साथ। इस बीच मांझी के साथ विधानसभा में जो हुआ और वह केंद्र में भाजपा के सहारे जितनी ताकत से बैठे- वह सभी ने देखा। मांझी को इसी ताकत का हवाला देकर भाजपा सीटों के लिए समझाने की तैयारी में है।

सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट की अवधि 3 महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक की

नई दिल्ली

ट्रंप प्रशासन की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ के बीच केंद्र सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि तीन महीने के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। इससे पहले 18 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास आयात पर शुल्क छूट की अनुमति दी थी। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला

लिया है। इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की जाएगी। सरकार के इस कदम का मकसद अमेरिका के कुल 50 फीसदी उच्च शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को समर्थन प्रदान करना है।

मंत्रालय के मुताबिक इसमें पांच फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और पांच फीसदी कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) से छूट के साथ दोनों पर 10 फीसदी सामाजिक कल्याण अधिभार छूट शामिल है, जिससे कपास पर कुल आयात शुल्क 11 फीसदी बैठता है। कपड़ा क्षेत्र में लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण देकर भारतीय कपड़ा उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही कपड़ा मूल्य श्रृंखला की कच्चे माल की लागत कम होने और विनिमार्ताओं एवं उपभोक्ताओं दोनों को आवश्यक राहत मिलने की उम्मीद है। कपड़ा मूल्य श्रृंखला में धागा, कपड़ा, परिधान एवं सिले हुए उत्पाद शामिल हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने डीयू में किया यू-स्पेशल बस सेवा का शुभारंभ

नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के लंबे संघर्षों के परिणामस्वरूप गुरुवार को दिल्ली विश्वविद्यालय में यू-स्पेशल बस सेवा की शुरूआत दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विश्वविद्यालय और डूसू के पदाधिकारियों के साथ हरी झंडी दिखाकर की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अभाविप नीत डूसू के पदाधिकारी यू-स्पेशल बसों के लिए कई बार आए और ज्ञापन सौंपा जिसके परिणामस्वरूप यू स्पेशल बस आपके सामने है। अभाविप नीत डूसू की एक और मांग- मेट्रो

कन्सेशन पास पर भी वे विचार कर रही हैं और जल्दी ही दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को यह भी सौगात मिलेगी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) के उपाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि आज विश्वविद्यालय छात्र समुदाय के लिए हर्ष का दिन है। आज के दिन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अभाविप की मांगों को पूरा किया और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए यू स्पेशल बसों की शुरूआत की। भानु प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह कदम पूर्ण रूप से छात्र कल्याण को समर्पित है एवं उनके शिक्षा एवं छात्रों के प्रति सकारात्मक दृष्टि का परिचायक है।

डूसू की सचिव मित्रविंदा कर्णवाल ने कहा कि आज का दिन दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए ऐतिहासिक है।

जम्मू-कश्मीर और पंजाब में सेना-वायु सेना ने त्वरित बाढ़ राहत अभियान चलाया

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर और पंजाब के कुछ हिस्सों में आई भीषण बाढ़ के बाद भारतीय सेना और वायु सेना ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किये हैं। दोनों सेनाओं ने बाढ़ राहत और बचाव कार्यों के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। उड़ान कौशल का प्रदर्शन करते हुए आर्मी एविएशन इकाइयां जीवन बचाने के लिए खराब मौसम में भी चौबीसों घंटे अथक परिश्रम कर रही हैं। उत्तरी पंजाब और जम्मू क्षेत्रों में भारतीय वायु सेना ने त्वरित बाढ़ राहत अभियान चलाया है। भारतीय सेना ने 27 अगस्त को शाम लगभग 4 बजे पंजाब के गुरदासपुर के लस्सियां क्षेत्र में बाढ़ से लोगों की जान को खतरा होने की स्थिति में साहसिक बचाव अभियान चलाया। आर्मी एविएशन इकाइयों के तीन चीता हेलीकॉप्टरों ने कई उड़ानें भरकर अत्यंत विषम उड़ान परिस्थितियों में 27 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला। भारतीय सेना इस संकट के समय में सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।? व्हाइट नाइट कोर की विमानन इकाइयों ने जलमग्न द्वीपों में फंसे 27 संकटग्रस्त कर्मियों को हवाई मार्ग से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जम्मू क्षेत्र में व्हाइट नाइट कोर के सैनिकों ने बहुमूल्य जानें बचाईं और संकटग्रस्त लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। भारतीय वायु सेना ने हेलीकॉप्टर बेड़ा सक्रिय करके उत्तरी क्षेत्र में चिनूक हेलीकॉप्टर को तैनात किया है।

निर्यातकों की मदद के लिए केंद्र उठा रहा कदम: केंद्र

नई दिल्ली

सरकार से जुड़े अमेरिका की ओर से भारतीय उत्पादों पर 50% टैरिफ लागू करने के बाद देश के निर्यातकों को होने वाली परेशानियों पर प्रतिक्रिया दी है। एक अधिकारी ने कहा है कि सरकार बढ़े हुए टैरिफ के कारण निर्यातकों के सामने आ रही रही समस्याओं को समझती है और उनकी मदद के लिए सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकारी सूत्र ने कहा कि निर्यात में विविधता लाने से निर्यातकों को लंबे समय में व्यापार

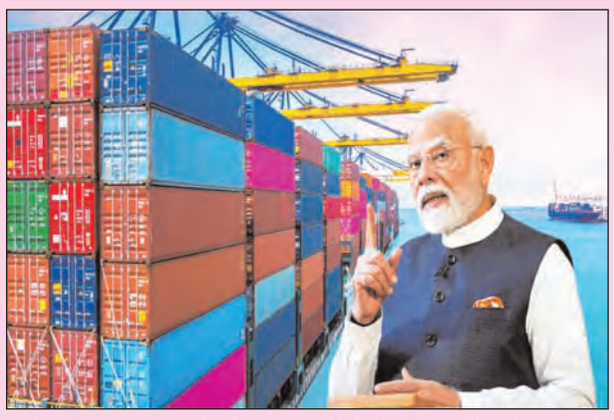

की गति बनाए रखने में मदद मिलेगी। निर्यातकों की मदद के लिए सरकार की ओर से निर्यात संवर्धन मिशन को जल्दी से जल्दी लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार से जुड़े सूत्रों के हवाले से यह प्रतिक्रिया निर्यातकों की ओर से नकदी के मोर्चे पर मदद मांगने के बाद आई है। सूत्रों के अनुसार यह मुद्दा फिलहाल विचाराधीन है। अधिकार के अनुसार, सरकार को उम्मीद है कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जल्द ही बातचीत शुरू हो जाएगी, नई तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं।

केजरीवाल के खिलाफ मामले में जांच अधिकारी को फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट मिली

नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल समेत तीन आरोपितों के खिलाफ 2019 में सरकारी संपत्ति को विरूपित करने के मामले के जांच अधिकारी को फॉरेंसिक जांच की रिपोर्ट प्राप्त हो गयी है। जांच अधिकारी ने जांच में शामिल होने के लिए आरोपित अरविंद केजरीवाल को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने जांच अधिकारी से जांच की स्टेटस रिपोर्ट 27 सितंबर तक दाखिल करने का निर्देश दिया है। एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने मामले की अगली सुनवाई 27 सितंबर को करने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान इस मामले के जांच अधिकारी किशन चंद कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश हुए।

भारत को बड़े भाई की तरह विश्व को सही राह दिखानी होगी: भागवत

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हिन्दुत्व सत्य, प्रेम और अपनत्व का मार्ग है, जो विश्व कल्याण की प्रेरणा देता है। हमारे ऋषि-मुनियों ने सिखाया कि जीवन केवल अपने लिए नहीं है। इसी भाव को लेकर भारत को आज दुनिया में बड़े भाई की तरह मार्गदर्शन करने और समन्वय एवं शांति का रास्ता दिखाने में अपनी भूमिका निभानी होगी। सरसंघचालक ने कहा कि समाज और जीवन में संतुलन ही धर्म है, जो किसी भी अतिवाद से बचाता है। भारत की परंपरा इसे मध्यम मार्ग कहती है और यही आज की दुनिया की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कट्टरपन, कलह और

अशांति इसी संतुलन की कमी से बढ़े हैं और अब दुनिया को अपना नजरिया बदलना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया को दिशा दिखाने से पहले भारत को घर-घर से समाज परिवर्तन की शुरूआत करनी होगी। इसके लिए संघ ने पंच परिवर्तन बताए हैं– कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता-स्व की पहचान और संविधान व नियमों का पालन। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत ने बुधवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में समाज के विविध क्षेत्र से जुड़े लोगों से संगठन की 100 वर्षों की यात्रा पर दूसरे दिन संवाद किया। कल इसी कड़ी में प्रश्नोत्तर होंगे। सम्मेलन का विषय 100 वर्ष की संघ यात्रा नए क्षितिज है। इस दौरान संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, उत्तर क्षेत्र के प्रांत संघचालक पवन जिंदल और दिल्ली प्रांत के संघचालक डॉ अनिल अग्रवाल मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रांत कार्यवाह अनिल गुप्ता ने किया। भारत के आचरण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि देश ने हमेशा अपने नुकसान की अनदेखी कर संयम बरता और जिन्होंने नुकसान पहुंचाया, उनकी भी मदद की। व्यक्ति और राष्ट्रों के अहंकार से शत्रुता पैदा होती है, लेकिन अहंकार से परे हिंदुस्तान है। भारतीय समाज को अपने आचरण से दुनिया में उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। दिल्ली के विज्ञान भवन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के लिए स्वदेशी को प्राथमिकता देनी होगी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार केवल स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं। उन्होंने कहा, अपना देश आत्मनिर्भर होना चाहिए। इसके लिए स्वदेशी के उपयोग को प्राथमिकता दें। देश की नीति में स्वेच्छा से अंतरराष्ट्रीय व्यवहार होना चाहिए, दबाव में नहीं। यही स्वदेशी है। उन्होंने कहा कि केवल आवश्यक वस्तुओं का ही आयात किया जाना चाहिए बाकी सभी वस्तुओं का उत्पादन देश में ही होना चाहिए।

दिल्ली एनसीआर में झमाझम बारिश : यमुना का जलस्तर फिर बढ़ा, खेतों और घरों में घुसा पानी

एजेंसी

नोएडा । दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश ने एक ओर जहां उमस से राहत दी है वहीं जल भराव जैसी स्थिति से लोगों को गुजरना पड़ रहा है। यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर से तेजी से बढ़ने लगा है। लगातार हो रही बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की वजह से नदी का पानी तटवर्ती क्षेत्रों में फैलने लगा है। हालात ऐसे हैं कि खेतों और फार्म हाउसों में पानी भर गया है और लोगों को मजबूरी में अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। कई परिवार अब सड़कों पर टेंट और अस्थाई झुग्गियां बनाकर रहने को मजबूर हैं। यह दूसरी बार है जब इस महीने यमुना का जलस्तर बढ़ा है। इससे पहले भी भारी बारिश और बैराज से छोड़े गए पानी के चलते नदी का पानी खतरे के निशान से ऊपर चला गया था। स्थानीय प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है और तटवर्ती गांवों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले एक हफ्ते तक रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। मौसम विभाग की वेबसाइट पर जारी बुलेटिन में 29 अगस्त से 3 सितंबर तक लगातार बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारों का अनुमान जताया गया है। 29 और 30 अगस्त को गरज-

चमक के साथ बारिश का अनुमान था, वहीं 31 अगस्त और 1 सितंबर को मध्यम बारिश के आसार हैं। इसके बाद 2 और 3 सितंबर तक गरज-चमक के साथ बारिश की आशंका जताई गई है। लगातार बारिश और पानी छोड़े जाने के कारण निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति गंभीर होती जा रही है। किसानों की फसलें डूबने लगी हैं और पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर ले जाना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी उन परिवारों को हो रही है जिनके घर नदी किनारे बने हैं। रात-दिन हो रही बारिश और बढ़ते जलस्तर से लोगों में डर का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से राहत शिविर लगाए गए हैं, लेकिन बढ़ते पानी और लगातार बारिश की वजह से दिक्कतें खत्म होने के बजाय और बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं।

बिहार की जनता राजद-कांग्रेस को सबक सिखाएगी: विष्णु देव साय

एजेंसी

छत्तीसगढ़ । छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बिहार में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल(राजद) नेता तेजस्वी यादव की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी पर सख्त ऐतराज जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसके नेता हमेशा से समाज के पिछड़े वर्गों और आदिवासियों का अपमान करते आए हैं। साय ने इसे कांग्रेस की मानसिकता का हिस्सा बताया और कहा कि इस तरह की टिप्पणियां उनकी नकारात्मक सोच को दर्शाती हैं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस और राजद बार-बार पीएम मोदी का अपमान इसलिए करते हैं क्योंकि वे ओबीसी समाज से आते हैं। साय ने मोदी को अथक और यशस्वी नेता बताते हुए कहा कि इस तरह की टिप्पणियां कांग्रेस-राजद की मानसिकता को दर्शाती हैं।

उन्होंने भरोसा जताया कि बिहार की जनता इन हरकतों का करारा जवाब देगी। पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि वे पिछले 11 वर्षों से बिना रुके, दिन-रात कड़ी मेहनत के साथ, 140 करोड़ भारतीयों के लिए सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र पर काम कर रहे हैं। पीएम मोदी 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। बिहार की जनता अपने प्रधानमंत्री के अपमान का बदला बिहार विधानसभा चुनाव में लेगी। दरअसल, एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वोटर अधिकार यात्रा के मंच से पीएम मोदी के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया। इस टिप्पणी को लेकर भाजपा कांग्रेस नेतृत्व पर हमलावर है। बता दें कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के सासाराम से वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत की थी। यह यात्रा 1 सितंबर को पटना में समाप्त होगी। पटना में होने वाली इस जनसभा में विपक्ष के शीर्ष नेताओं के पहुंचने की उम्मीद है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस जनसभा में शामिल होंगे।

एक-दूसरे को नीचा दिखाने की सस्ती राजनीति से देश का माहौल खराब ना करें : मायावती

एजेंसी

लखनऊ । बिहार के दरभंगा में कांग्रेस और राजद की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ मंच से कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर देशभर में राजनीतिक घमासान तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने भी इस प्रकरण पर नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने बिना नाम लिए प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ हुई अभद्र टिप्पणी की निंदा की है।मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'देश में खासकर राजनैतिक स्वार्थ के कारण राजनीति का गिरता हुआ स्तर अति-दुखद एवं चिंतनीय है। इस संबंध में सभी पार्टियों की राजनीति, पार्टी के संविधान के हिसाब से विचार और सिद्धान्तों के आधार पर, देश व करोड़ों गरीबों व आमजन के हित में होनी चाहिए, जो कि खासकर पिछले कुछ वर्षों से सही से देखने को नहीं मिल रहा है, जबकि इस दौरान देश के सामने विभिन्न प्रकार की आन्तरिक एवं बाहरी चुनौतियां काफी बढ़ी हैं।' उन्होंने कहा कि देश के उच्च सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं

व विशेषकर राजनीति में उच्च पदों पर बैठे लोगों के बारे में जिस प्रकार की अभद्र, अशोभनीय, अमर्यादित व असंसदीय टिप्पणी आदि सार्वजनिक तौर पर करके उनकी व देश की छवि को भी धूमिल करने के जो प्रयास किये जा रहे हैं, वह अति-दुखद व चिंतनीय है। खासकर चुनाव के समय यह प्रक्रिया और भी अधिक विषैली व हिंसक हो जाती है। इसी क्रम में अभी बिहार में भी जो कुछ देखने व सुनने को मिला है, वह देश की चिन्ता को बढ़ाने वाला है। मायावती ने आगे कहा कि बसपा शुरू से ही सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय के अम्बेडकरवादी सिद्धान्त और नीति पर आयरन दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ पार्टी व सरकार चलाने का साहस दिखाने वाली पार्टी होने के कारण किसी भी प्रकार की दूषित व जहरीली राजनीति के खिलाफ है और दूसरों से भी यही उम्मीद करती है कि वे देश व आमजन के हित में घिनौनी स्वार्थ की राजनीति करने से दूर रहें और एक-दूसरे को जबरदस्ती नीचा दिखाने की सस्ती राजनीति से देश का माहौल खराब ना करें तो बेहतर।

बड़े औद्योगिक और श्रम सुधारों की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेशः योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस को और सशक्त बनाने के लिए नए कदम उठाना समय की मांग है और औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों की सुरक्षा और सुविधा की गारंटी सुनिश्चित करना भी जरुरी है। श्री योगी ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'श्रमेव जयते' के भाव को आत्मसात करते हुए हमें ऐसे सुधार करने होंगे, जो उद्यमियों और श्रमिकों; दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हों। मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार शीघ्र ही 'सुगम्य व्यापार (प्राविधानों का संशोधन) विधेयक, 2025' लाने जा रही है। इसके अंतर्गत आबकारी अधिनियम, शीरा अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता, गन्ना अधिनियम, भूगर्भ जल अधिनियम, नगर निगम अधिनियम, प्लास्टिक कचरा अधिनियम, सिनेमा अधिनियम तथा क्षेत्र व जिला पंचायत अधिनियम सहित कई कानूनों को अधिक व्यावहारिक स्वरूप दिया जाएगा। इनमें जहाँ पहले कारावास की सजा का प्रावधान था, वहां अब अधिक आर्थिक दंड व प्रशासनिक कार्रवाई को वरीयता देने की योजना है। नए प्रावधानों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक दंडात्मक प्रावधानों को समाप्त कर, उनकी जगह पारदर्शी और न्यायसंगत व्यवस्था लागू करना समय की मांग है। बैठक में बताया गया कि इस विधेयक पर संबंधित 14 विभागों से राय ली गई है। अधिकांश विभाग सहमत हैं, जबकि कुछ ने आपत्तियाँ दर्ज कराई हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि आपत्तियों और सुझावों पर गंभीरता से विचार करते हुए विधेयक को ऐसा स्वरूप दिया जाए, जो उद्योग और श्रमिकों के हितों में संतुलित हो।

बैठक में श्रम कानूनों के सरलीकरण पर भी चर्चा हुई। प्रस्तावों में फैक्ट्री लाइसेंस की अवधि बढ़ाने, दुकानों व प्रतिष्ठानों के नियमों में व्यावहारिक बदलाव करने और महिलाओं को अधिक अवसर उपलब्ध कराने जैसे कदम शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निरीक्षण व्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए स्व-सत्यापन और थर्ड पार्टी ऑडिट की प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से जहां उद्योगों का बोझ कम होगा, वहीं श्रमिकों का हित भी सुरक्षित होगा।

'भारत के स्किल्ड युवा टैलेंट में वैश्विक जरूरत पूरा करने की क्षमता',

▶▶ पीएम मोदी ने जापान को दिया साथ आने का न्योता

एजेंसी

टोक्यो । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के मैन्युफैक्चरर्स को भारत में आकर काम करने का न्योता दिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं आप सबसे आग्रह करता हूं कि आइए, हम 'भारत में बनाएं, विश्व के लिए बनाएं।' उन्होंने मैन्युफैक्चरर्स से कहा कि 'सुजुकी' और 'डाइकिन' की सक्सेस स्टोरीज आपकी भी सक्सेस स्टोरीज बन सकती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बिजनेस जगत के दिग्गजों से चर्चा के साथ अपने जापान दौरे की शुरुआत की। भारत-जापान इकोनॉमिक फोरम में पीएम मोदी ने जापान के प्रधानमंत्री इशिबा का आभार व्यक्त किया। इस दौरान, उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में, जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से लेकर मैन्युफेक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से लेकर स्टार्ट-अप्स तक हर क्षेत्र में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत में पॉलिटिकल और इकोनॉमिक स्टेबिलिटी है। पॉलिसी में पारदर्शिता

और प्रीडिक्ट-अबिलिटी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विश्व की सबसे तेज ग्रो करने वाली मेजर इकॉनमी है और हम बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी इकॉनमी बनने जा रहे हैं। इकोनॉमिक फोरम में प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 साल में भारत में किए गए रिफॉर्म्स का जिक्र किया और कहा कि इसके पीछे का संकल्प 'विकसित भारत' बनाने का है। उन्होंने जापान के साथ मिलकर अलग-अलग क्षेत्र में किए गए कामों का उल्लेख किया।

पीएम मोदी ने आह्वान करते हुए कहा, 'मैन्युफैक्चरिंग और ऑटो सेक्टर में भारत-जापान की भागीदारी बेहद सफल रही है। दोनों देश वही मैजिक साथ मिलकर बैटरीज, रोबोटिक्स, सेमीकंडक्टर, शिप-बिल्डिंग और न्यूक्लियर एनर्जी में दोहरा सकते हैं। साथ मिलकर ग्लोबल साउथ, विशेषकर अफ्रीका के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन का जिक्र करते हुए कहा कि जापान 'टेक पावर हाउस' है और भारत एक 'टैलेंट पावर हाउस'।

दरभंगा में प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर सीएम नीतीश कुमार बोले- ये निंदनीय

एजेंसी

पटना । बिहार के दरभंगा में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर विरोध तेज हो गया है। शुक्रवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ की गई अभद्र टिप्पणी की निंदा की।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'दरभंगा में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी स्वर्गीय माता के खिलाफ जिस प्रकार की अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया है, वह अत्यंत अशोभनीय है और मैं इसकी निंदा करता हूं। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने भी इस मामले को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

नित्यानंद राय ने कहा कि राजद और कांग्रेस ने बिहार के गौरव और सम्मान को धूमिल किया है। उन्होंने कहा, बिहार सीता माता की धरती है और उनकी धरती पर एक मां का अपमान करना घोर अपराध है। प्रधानमंत्री की मां को अपशब्द कहकर राजद और कांग्रेस ने बिहार के गौरव और सम्मान को धूमिल किया है। राजद और कांग्रेस के नेता

बार-बार प्रधानमंत्री और उनकी मां को आपत्तिजनक शब्दों के साथ अपमानित करते हैं। नित्यानंद राय ने कहा कि विवेकानंद की भविष्यवाणी को प्रधानमंत्री मोदी पूरा कर रहे हैं, जिसमें कहा गया कि 21वीं सदी के भारत में कोई भूखा, बेघर और अशिक्षित नहीं होगा। उन्होंने कहा,पीएम मोदी भारत से गरीबी मिटा रहे हैं। उन्होंने राजनीति और शासन से भ्रष्टाचार को खत्म किया। विपक्ष के नेता उनको और उनकी मां को अपमानित कर रहे हैं, जो बहुत अशोभनीय और निंदनीय है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में मां को देवी का स्थान प्राप्त है। भगवान का आह्वान करते समय भी हम सबसे पहले मां को याद करते हैं। शंकर से पहले पार्वती, राम से पहले सीता और कृष्ण से पहले राधा का नाम लिया जाता है। नित्यानंद राय बोले, ÷कहा जाता है कि जहां मां का अपमान हो, वहां विनाश होता है। इसलिए अपमान करने वाले कांग्रेस और राजद नेताओं का विनाश निश्चित है।

उत्तराखंड में फिर तबाही : रुद्रप्रयाग और चमोली में बादल फटा,सीएम धामी ने जताया दुख

एजेंसी

देहरादून। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी किया है। रुद्रप्रयाग और चमोली में एक बार फिर बादल फटने की खबर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को इस हादसे पर दुख जताया और युद्धस्तर पर राहत बचाव कार्य तेज होने की जानकारी दी। रुद्रप्रयाग के तहसील बसुकेदार क्षेत्र के अंतर्गत बड़ेथ डुंगर तोक और चमोली के देवाल क्षेत्र में बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई है। इलाके में कुछ परिवारों के फंसने की भी खबर है। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बादल फटने की घटना को संज्ञान में लिया। उन्होंने तेजी से राहत बचाव कार्य चलाने की बात कही। सीएम धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए

लिखा, ÷जनपद रुद्रप्रयाग के तहसील बसुकेदार क्षेत्र के अंतर्गत बड़ेथ डुंगर तोक और जनपद चमोली के देवाल क्षेत्र में बादल फटने के कारण मलबा आने से कुछ परिवारों के फंसे होने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। स्थानीय प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है, इस संबंध में निरंतर अधिकारियों से संपर्क में हूं, आपदा सचिव और जिलाधिकारी से बात कर बचाव कार्यों के प्रभावी संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए हैं। बाबा केदार से सभी के सकुशल होने की प्रार्थना करता हूं। बता दें कि प्रदेश में मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया हुआ है, जिसमें पिथौरागढ़, उधम सिंह नगर, अल्मोड़ा, नैनीताल, देहरादून समेत जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी कर रखा है। इसके साथ ही रुद्रप्रयाग, चमोली, टिहरी, और उत्तरकाशी में येलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन भी हाई अलर्ट पर है और लोगों को नदी-नालों से दूरी बनाए रखने की चेतावनी दी है।

गहलोत ने धौलपुर के यश और प्रांशु के जम्मू कश्मीर में भूस्खलन में बह जाने पर जताई चिंता

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जम्मू कश्मीर में माता वैष्णों देवी के दर्शनों के लिए राजस्थान में धौलपुर के सैंपऊ से गए युवाओं यश एवं प्रांशु के भूस्खलन के दौरान बह जाने के बाद लापता होने की खबर पर गहरी चिंता जताई हैं। श्री गहलोत ने अपने बयान में कहा कि उनके भूस्खलन में बह जाने के बाद लापता हो जाने की खबर चिंताजनक है। उन्होंने जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अपील की है कि इन युवाओं के परेशान परिजनों को

इस मुश्किल समय में हरसंभव सहायता प्रदान करें तथा इन्हें तलाशने के लिए सभी आपदा राहत एजेंसियों के समन्वय से जल्द से जल्द इन्हें तलाशने के प्रयास हो। उन्होंने कहा कि इस हादसे में राजस्थान के ही श्री शिव की मृत्यु का समाचार मिला। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना की। श्री गहलोत ने जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा में ऑपरेशन रक्षक के दौरान झुंझुनूं जिले के लालपुर के शहीद हुए वीर सपूत इकबाल अली की शहादत पर भी नमन किया और कहा कि इस बेहद कठिन समय में हम शहीद के परिजनों के साथ है और ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें बंबल एवं धैर्य प्रदान करें।

संघ भारत का सबसे बड़ा संगठन, समाज को जोड़ने की कोशिश स्वागतयोग्यः मौलाना शहाबुद्दीन

एजेंसी

बरेली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरआरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के हालिया भाषण और लेख जहां कई मुस्लिम संगठनों की आलोचना का विषय बने, वहीं ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी उनके समर्थन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि संघ भारत का सबसे बड़ा संगठन है और समाज को जोड़ने की दिशा में इसके प्रयासों का स्वागत किया जाना चाहिए। मौलाना रजवी ने कहा कि डॉ. मोहन भागवत भारत की महान शख्सियत और विद्वान व्यक्ति हैं। वे समय-समय पर ऐसे विचार रखते हैं जिससे देश में सकारात्मक सोच को बल मिलता है।

उन्होंने याद दिलाया कि भागवत ने पहले भी कहा था कि हर मस्जिद के नीचे मंदिर मत तलाशो और हाल

ही में दिल्ली के विज्ञान भवन में दोहराया कि हर जगह शिवलिंग मत तलाशो। मौलाना के मुताबिक, इस तरह की सोच समाज में आपसी सहयोग और सभी धर्मों को साथ लेकर चलने का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि संघ प्रमुख की सकारात्मक सोच हिंदू-मुस्लिम तनाव को कम करेगी। उनके बयानों और लेखों को सभी समुदायों को सकारात्मक नजरिए से देखना चाहिए। रजवी ने आगे कहा कि उपद्रव फैलाने वाले संगठनों पर अब अंकुश लगेगा और सौहार्दपूर्ण वातावरण बनेगा। देश की तरक्की के लिए किसी भी समुदाय से टकराव नुकसानदेह है। नफरत और टकराव से न व्यक्ति, न समाज और न ही देश आगे बढ़ सकता है। सभी समुदायों को मिलजुलकर रहना होगा। उन्होंने हाल के वर्षों की घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कई जगह मस्जिदों, मदरसों और मजारों को असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया।

राजस्थान ऑल टाइम टूरिस्ट डेस्टिनेशन – उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

एजेंसी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने समाचार पत्र 'इकोनॉमिक टाइम्स' की ओर से गुरूवार को जयपुर में आयोजित राजस्थान बिजनेस समिट और पुरस्कार समारोह में कहा कि राजस्थान पर्यटन के विकास में निजी क्षेत्र ने अत्यंत महत्वपूर्ण और शानदार योगदान दिया है। सरकार पर्यटन व्यवसाय नहीं कर सकती अपितु एक फेसिलिटेटर के रूप में काम कर सकती है। सरकार सुविधाओं का विकास कर सकती है, जो किया जा रहा है। सरकार रोड बनवा सकती है, रेल, बस, हवाई सुविधाओं का विकास कर सकती है, जो नियमित रूप से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यटक स्थलों के संरक्षण का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विश्व में क्लाइमेट चेंज हुआ है। पहले कहा जाता था कि राजस्थान में ऑफ सीजन मे पर्यटन संभव नहीं है लेकिन इस परसेप्शन को बदलने की आवश्यकता है। राजस्थान में ऑफ सीजन में भी पर्यटन संभव है।राजस्थान ऑल टाइम टूरिस्ट डेस्टिनेशन है। दिया कुमारी ने पर्यटन विकास की नई संभावनाओं के लिए आमजन का नये विचार, थीम, इनोवेशन के साथ आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार पर्यटन विकास के नये आइडिया को प्रोत्साहित करेगी, साल में कम से कम एक– दो बार आईफा जैसे आयोजन होते रहने चाहिए। राजस्थान में कन्सर्ट टूरिज्म, कॉन्फ्रेंस

टूरिज्म की बहुत संभावनाएं है। आज के दौर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर्यटन विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली मंच हैं।

इससे पूर्व पर्यटन कला एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख शासन सचिव तथा आरटीडीसी अध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि राज्य में ऐतिहासिक स्मारकों से आगे भी पर्यटन के विभिन्न क्षेत्रों में अनेक सम्भावनाएं हैं, जिन पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में हमारा प्रदेश तेजी से आगे बढ़ते हुए दुनिया के पर्यटन का सिरमौर बन रहा है। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि राजस्थान सरकार की ओर से ट्राइबल ट्यूरिज्म सर्किट पर अच्छा काम किया जा रहा। इसी प्रकार धार्मिक पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन, वन्य पर्यटन भी पर्यटन के अत्यंत बेहतरीन डेस्टिनेशन के रूप उभर रहे हैं। राजस्थान का फूड, हेरिटेज, म्यूजिक, फोक कल्चर सब कुछ अलग तरह की संभावनाओं को समाहित किये हुए है। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों जैसी अद्भुत सांस्कृतिक विरासत राजस्थान पर्यटन को समृद्ध करती है और पर्यटन क्षेत्र में नये द्वारा खोलती है।

बच्चों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर में आई कमी: रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर छात्रों के बीच में पढ़ाई छोड़ने की दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने यूडीआईएसई+ 2024-25 की रिपोर्ट में बताया कि प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर विद्यार्थियों की रिटेंशन रेट और ट्रांज़िशन रेट में लगातार सुधार हुआ है। इसका सीधा असर यह हुआ कि बच्चों के बीच-बीच में पढ़ाई छोड़ने की प्रवृत्ति घटी है और अधिक विद्यार्थी उच्च कक्षाओं तक अपनी पढ़ाई जारी रख पा रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय का मानना है कि यह सकारात्मक बदलाव केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे नामांकन अभियान, छात्रवृत्ति योजनाएं, मध्याह्न भोजन, साइकिल/यूनिफॉर्म/पुस्तक वितरण जैसी पहलें और स्कूलों में आधारभूत सुविधाओं में सुधार का परिणाम है। रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि शून्य नामांकन वाले स्कूलों और एकल शिक्षक स्कूलों की संख्या में कमी से भी छात्रों को पढ़ाई जारी रखने में मदद मिली है। बेहतर शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात और महिला शिक्षकों की बढ़ती संख्या ने भी विद्यार्थियों विशेषकर बालिकाओं की निरंतरता पर सकारात्मक असर डाला है।

केजरीवाल ने 'गांधी परिवार' पर लगाया भाजपा से 'समझौते' का आरोप, कांग्रेस ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के मामलों में भाजपा के साथ 'समझौता' करने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने सवाल उठाया कि नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार का कोई सदस्य जेल क्यों नहीं गया? अरविंद केजरीवाल के आरोपों पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पलटवार किया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सिर्फ इसलिए उन्होंने सत्ता खो दी, तो क्या उन्हें अपना मानसिक संतुलन भी खो देना चाहिए? दरअसल, दिल्ली में 'आप' विधायकों और नगर पार्षदों की बैठक को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने सवाल उठाया कि नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार का कोई सदस्य जेल क्यों नहीं गया? उन्होंने कहा, 'हमें झूठे मामलों में जेल भेजा गया, लेकिन गांधी परिवार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। कुछ लोग कहते हैं कि मायावती ने समझौता किया, ओवैसी ने समझौता किया, लेकिन नहीं, सबसे ज्यादा समझौता कांग्रेस ने किया है।' राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी अरविंद केजरीवाल के आरोपों पर सवाल उठाए।

दिल्ली विवि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मुख्यमंत्री ने यू स्पेशल बसों को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। छात्रों के लिए लंबे समय से यू बसों को शुरू करने की मांग को आज पूरा किया गया। हमारी सरकार ने 100 नई बसें शुरू कर रही हैं, जिनमें डीटीसी रेडियो से लैस उन्नत यू स्पेशल बसें भी शामिल हैं। इन यू स्पेशल बसों के शुरू होने से दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों को आवागमन सुविधा होगी। यह बसें दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों से होकर गुजरेंगी। पिछली सरकार यू-टर्न वाली सरकार थी और हमारी सरकार आगे बढ़ने वाली है। यह बातें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कही। इस दौरान सीएम और परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में यू स्पेशल बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में भाजपा सांसद मनोज तिवारी और विधायक सूर्य प्रकाश खत्री भी मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो में दिल्ली के छात्रों को राहत (मेट्रो पास) देने को लेकर सरकार गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार दिल्ली की स्वच्छ और सुव्यवस्थित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। दिल्ली सरकार कूड़े के पहाड़ों को हटाने के लिए बहुत तेज से काम कर रही है। युवाओं से दिल्ली को बेहतर बनाने के लिए काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के युवाओं को नौकरी देने वाला बनना चाहिए।

उप महापौर ने गिरि नगर में स्केटिंग पार्क के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

नई दिल्ली। दिल्ली के उप महापौर जय भगवान यादव ने कालकाजी स्थित गिरि नगर में स्केटिंग पार्क के विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को बेहतर मनोरंजन सुविधाएं प्रदान करना है। इस दौरान उपमहापौर जय भगवान यादव ने कालकाजी के विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां निवासियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके साथ पार्षद एवं मध्य क्षेत्र की अध्यक्ष योगिता सिंह, दिल्ली भाजपा के कई नेता और दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उप महापौर ने क्षेत्र में स्वच्छता की स्थिति की भी समीक्षा की और अधिकारियों को चल रहे दिल्ली की कूड़े से आजादी- महा स्वच्छता अभियान के तहत हर गली और कॉलोनी में सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान यादव ने अवैध अतिक्रमण से संबंधित मुद्दों का संज्ञान लिया और अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए ताकि पैदल यात्रियों को सड़कों पर कोई बाधा न हो।

पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के बीच 31 अगस्त को होगी मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग रविवार को तियानजिन में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर द्विपक्षीय बैठक करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति शी के निमंत्रण पर एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापान की अपनी दो दिवसीय यात्रा समाप्त करने के बाद चीन पहुंचेंगे।

पीएम मोदी की पिछले सात सालों में पहली चीन यात्रा होगी और जून 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई झड़प के बाद पहली यात्रा होगी। दोनों नेताओं की मुलाकात पिछले साल 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। भारत और चीन के बीच लगभग 3500 किलोमीटर लंबी एलएसी पर गश्त को लेकर समझौते के बाद चार साल पुराने सीमा विवाद खत्म होने के कारण यह द्विपक्षीय वार्ता संभव हो सकी थी। 21 अगस्त को भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने कहा कि पीएम मोदी की तियानजिन यात्रा दोनों देशों के बीच संबंधों को बेहतर बनाने और विकास में नई गति प्रदान करेगी। उन्होंने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा, प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा न केवल एससीओ के लिए बल्कि दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों के लिए भी

बहुत महत्वपूर्ण होगी। चीन और भारत का एक कार्य समूह इस यात्रा को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। हम इस यात्रा को बहुत महत्व देते हैं और यह बहुत सफल होगी। 19 अगस्त को चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने 31 अगस्त से शुरू होने वाले दो दिवसीय एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग का निमंत्रण और संदेश सौंपा था। इस मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा था, विदेश मंत्री वांग यी से मिलकर खुशी हुई। पिछले साल कजान में राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरी मुलाकात के बाद से भारत-चीन संबंधों में एक-दूसरे के हितों और संवेदनाओं का सम्मान करते हुए लगातार प्रगति हुई है। मैं एससीओ शिखर सम्मेलन के मौके पर तियानजिन में हमारी अगली मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं। भारत और चीन के बीच स्थिर, विश्वसनीय और रचनात्मक संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति व समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में देखा 'नुआखाई' सांस्कृतिक समारोह

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नुआखाई पर्व के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का अवलोकन किया। इस अवसर पर ओडिशा की लोक संस्कृति और विविध कलाओं की आकर्षक झलक प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान जगन्नाथ के भजन से हुई, जिसके बाद ओडिशा की प्रसिद्ध नृत्य शैलियों का प्रदर्शन किया गया। इनमें ओडिशी नृत्य, मयूरभंज छऊ और संबलपुरी नृत्य शामिल थे। कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों को ओड़िशा की समृद्ध परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू कराया। नुआखाई पर्व ओडिशा और छत्तीसगढ़ सहित कई पूर्वी राज्यों में धान की नई फसल के स्वागत और कृषक समुदाय के परिश्रम को समर्पित उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस पर्व में नई फसल को भगवान को अर्पित करने के बाद समाज और परिवार के साथ साझा किया जाता है।राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस सांस्कृतिक समारोह ने 'नुआखाई' की भावना–कृतज्ञता, एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव–को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया।

कांग्रेस में अपशब्द कहने वालों को मिलती है पदोन्नति, शहजाद पूनावाला ने कसा तंज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए की गई अपमाजनक टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की रैली में प्रधानमंत्री मोदी के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव परिवारवाद के नवाबजादे हैं, जिन्हें लगता है कि वे लोकतंत्र, संविधान और जनता के चुने हुए प्रधानमंत्री के पद से बड़े हैं, जबकि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी से पद और उम्र दोनों में छोटे हैं। इसके बावजूद वह प्रधानमंत्री पर अपमानजनक टिप्पणी कर रहे हैं, जो कि निंदनीय है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि अब कांग्रेस में स्थिति ऐसी बन चुकी है कि जो भी प्रधानमंत्री मोदी के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी करेगा, उसे उतनी ही ज्यादा पदोन्नति दी जाएगी। मौजूदा समय में कांग्रेस इसी नीति के तहत काम कर रही है। राहुल गांधी पहले से ही मोदी समाज पर कमेंट करने के मामले में दोषी ठहराए जा चुके हैं। शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पार्टी की

ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए की विवादित टिप्पणियां भी गिनाईं। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस की ओर से कई बार प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस की स्थिति ऐसी बन चुकी है कि उसके पास राजनीति के लिए कोई मुद्दा नहीं बचा है। यह पार्टी अब गाली की राजनीति करने पर आमादा हो चुकी है, लेकिन देश की जनता इस तरह की राजनीति को किसी भी कीमत पर स्वीकार करने वाली नहीं है।शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस को अब इसका एहसास भलीभांति हो चुका है कि आगामी बिहार चुनाव में उनकी हार होने जा रही है, इसलिए अब ये लोग विवादित टिप्पणी कर रहे हैं। ये लोग कभी सनातन धर्म को गाली देते हैं। कभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करते हैं तो कभी चुनाव आयोग के बारे में बोलते हैं। इससे पहले तेजस्वी यादव की एक रैली में चिराग पासवान के लिए अपमानजनक टिप्पणी की गई थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इससे यह साफ जाहिर होता है कि ये परिवारवादी लोग ओबीसी समुदाय को लेकर किस कदर दुर्भावना से ग्रसित हैं। इन लोगों का मानसिक स्तर इस किस कदर गिर चुका है कि ये लोग राष्ट्रपति पर भी अपमानजनक टिप्पणी करने से गुरेज नहीं करते।

सोलह साल के बच्चों से सेक्स की बातें करना ठीक नहीं: प्रियंक कानूनगो

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में सहमति से सेक्स की कानूनी उम्र मौजूदा 18 साल से घटाने की मांग को लेकर पर चल रही बहस के बीच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने गुरूवार को कहा कि 16 साल के बच्चों से यौन संबंधों की बात करना गलत है क्योंकि इससे उनके दिमागी विकास और सोचने-समझने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। कानूनगो ने यहां इंडिया हैबिटेट सेंटर में सहमति की उम्र घटाने को लेकर आयोजित एक चर्चा के दौरान बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में डॉक्टरों, पत्रकारों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में कानूनगो ने कहा कि भले ही दुनिया के कुछ देशों में सहमति की उम्र 16 साल है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि भारत में भी इसे उसी तरह लागू कर दिया जाए। भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक स्थिति बाकी देशों से बहुत अलग है, और यहां इस उम्र को कम करना बच्चों के हित में नहीं होगा।उन्होंने कहा कि जब 18 साल से कम उम्र में शादी नहीं करने दी जाती, तो फिर 16 साल की

उम्र में यौन संबंध की इजाजत कैसे दी जा सकती है? उन्होंने अदालत के फैसलों पर भी सवाल उठाए और कहा कि कहीं 16 साल की शादी को सही कहा जा रहा है, तो कहीं गलत। यह विरोधाभास ठीक नहीं है। कानूनगो ने किशोरावस्था की जटिलताओं पर बात करते हुए कहा कि अगर कोई 14 साल का बच्चा ब्रेकअप जैसे भावनात्मक झटके से गुजरेगा तो इसका उसकी मानसिक और शारीरिक सेहत पर गंभीर असर पड़ेगा। ऐसे में इन बच्चों को शादी या सेक्स जैसी जिम्मेदारियों में डालना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ व्यक्तिगत स्वतंत्रता का नहीं है, बल्कि बच्चों के मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास से जुड़ा हुआ है। सोलह-सत्रह साल की बच्चियों को मां बनने पर मजबूर करना समाज के लिए एक खतरनाक स्थिति होगी। इससे न केवल उनकी सेहत पर खतरा बढ़ेगा।

प्रधानमंत्री की मां के अपमान को लेकर भाजपा हमलावर, कांग्रेस से अविलंब माफी मांगने की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। दरभंगा में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल की एक जन सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के अपमान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने हमला तेज करते हुए दोनों पार्टियों से इस कुकृत्य के लिए अविलंब माफी मांगने की मांग की। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने एक्स पर एक वीडियो संदेश में इस घटना की निंदा करते हुए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की तथाकथित वोट अधिकार यात्रा में जिस तरह से कांग्रेस-आरजेडी के मंच से देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत माता जी को गाली दी गई, वह घोर निंदनीय और भर्त्सनीय है। यह अभद्रता की सारी सीमा लांघ चुके दो शहजादों का बिहार की धरती पर बिहार की संस्कृति का तिरस्कार भी है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव

को अविलंब इस कुकृत्य के लिए माफी मांगनी चाहिए। जे पी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के मंच से अब अभद्र शब्दों का इस्तेमाल शुरू हो गया है। यह भारत की मातृ शक्ति का अपमान है। बिहार की जनता इसे कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी। यह बिहार की संस्कृति का अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं को यह हजम नहीं हो रहा है कि कैसे एक गरीब का बेटा प्रधानमंत्री पद पर आसीन है और कैसे देश की जनता ने उन्हें दिल में बिठाया हुआ है। माता जी ने संघर्ष कर, परिश्रम की पराकाष्ठा कर, गरीमापूर्ण जीवन व्यतीत किया, उन पूज्य आत्मा का कांग्रेस ने सार्वजनिक मंच पर अपमान किया। यह देश की परंपरा और संस्कृति में कभी भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मां जानकी की पावन धरा पर, भारत की मातृ शक्ति का अपमान करने का दुस्साहस करने का काम किया गया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए वो कम है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की तू-तड़ाक की भाषा ने राजनीतिक मर्यादा की सीमा को तार तार कर दिया। इन दोनों ने जिस तरह से राजनीतिक भाषणों में अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करना शुरू किया है उससे मर्यादा तार तार हो गई है। कांग्रेस-आरजेडी के नेताओं ने पहले भी बार बार घोर अपशब्दों का उपयोग किए हैं। यह सब बिहार की जनता कभी भी बर्दाश्त नहीं करेगी।

राजनीतिक हताशा में सामाजिक मर्यादाएं तोड़ रहे राहुल-तेजस्वी: चुग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने राजनीति को जिस स्तर तक गिराने का काम किया है, वह भारतीय लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के लिए जिस प्रकार की अभद्र भाषा उनके मंच से बोली गई, उसने राजनीतिक गरिमा की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। भाजपा महासचिव तरुण चुग ने पार्टी मुख्यालय में मीडिया से कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर किसी की मां का अपमान करना घोर निंदनीय है। यह आचरण बताता है कि राहुल और तेजस्वी ने जनता का विश्वास खो दिया है और अब वे राजनीतिक हताशा में सामाजिक मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं। बिहार की जनता ने अपमान को कभी स्वीकार नहीं किया है। राहुल और तेजस्वी यदि हज़ार बार भी माफ़ी मांग लें, तब भी इस अभद्रता के लिए उनको माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास से डरकर झूठी बातें फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ईमानदारी से देश की सेवा कर रहे हैं। जनता उनपर सच्चे मन से भरोसा करती है। चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पर भी हमला बोला। चुग ने कहा कि प्रचार में व्यस्त मुख्यमंत्री मान केंद्र की योजनाओं को अपना बताकर जनता को सिर्फ गुमराह करते हैं। पंजाब कर्ज, बेरोज़गारी और बदहाल कानून व्यवस्था से जूझ रहा है।

दिल्ली सरकार 170 करोड़ से 15 आईटीआई का करेगी आधुनिकीकरण : मनजिंदर सिंह सिरसा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने आज 170 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की, जिसके तहत 15 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को अत्याधुनिक तकनीक से लैस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में बदला जाएगा। यह पहल भारत सरकार की 60,000 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय आईटीआई अपग्रेडेशन योजना से जुड़ी है। दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने चंडीगढ़ में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय द्वारा आयोजित राज्यों के कौशल विकास मंत्रियों के क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'स्किल, स्केल, स्पीड और सम्मान' का विजन हमारा मार्गदर्शक है। दिल्ली के अपग्रेडेड आईटीआई हमारे युवाओं को 21वीं सदी की क्षमताओं से लैस करेंगे ताकि वे केवल नौकरी खोजने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के प्रभावी नेतृत्व में हम वर्ल्ड-क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर को 'सेम-डे अप्रूवल' और डिजिटल ट्रांसपेरेंसी के साथ जोड़ रहे हैं। मंत्री सिरसा ने बताया कि

डिपार्टमेंट ऑफ ट्रेनिंग एंड टेक्निकल एजुकेशन (डीटीटीई), जिसकी जिम्मेदारी हमारे मंत्री उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा आशीष सूद संभाल रहे हैं, को इस योजना का नोडल एजेंसी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने जानबूझकर केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं को रोका, जिसके कारण दिल्ली की जनता ने उन्हें सत्ता से बाहर किया और मोदी मॉडल ऑफ गवर्नेंस पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि ईवी, एआई, रोबोटिक्स और ग्रीन एनर्जी मॉड्यूल्स को आईटीआई के पाठ्यक्रम में शामिल करके हम अपने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं और दिल्ली तथा भारत को फ्यूचर-रेडी बनाने का लॉन्चपैड तैयार कर रहे हैं। हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत आईटीआई पूसा (सेंट्रल दिल्ली), आईटीआई शाहदरा (ईस्ट दिल्ली) और आईटीआई मंगोलपुरी (नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली) हब संस्थान के रूप में कार्य करेंगे और प्रत्येक चार संस्था तक स्पोक आईटीआई को इंफ्रास्ट्रक्चर, फैकल्टी विकास और इंडस्ट्री लिंक से मार्गदर्शन देंगे।

मंत्री कपिल मिश्रा ने 'छत्रपति शिवाजी संग्रहालय' और 'पृथ्वीराज चौहान स्मारक' का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने गुरुवार को महरौली इलाके के कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में बने 'छत्रपति शिवाजी महाराज स्मारक संग्रहालय' और किला राय पिथौरा स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्मारक का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ स्थानीय विधायक गजेंद्र यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने राष्ट्र नायकों के राजधानी में स्थित स्मारकों और संग्रहालयों के सर्वांगीण विकास का जिम्मा ले लिया है। मंत्री कपिल मिश्रा ने छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े संग्रहालय का बारीकी से अवलोकन किया और यहां प्रदर्शित छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन और संघर्षों से जुड़ी प्रेरणादायी झलकियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह संग्रहालय न केवल दिल्ली बल्कि पूरे देशवासियों के लिए गर्व और प्रेरणा का केंद्र है।

एमएसएमई सिर्फ व्यवसाय नहीं, आत्मनिर्भर भारत का डीएनए : अनुराग ठाकुर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर के सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने 11वें भारत अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई कार्यक्रम और एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत की आत्मनिर्भरता और 2047 तक एक विकसित भारत की ओर यात्रा में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। अनुराग ठाकुर ने यहां के भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जो शहरी और ग्रामीण विकास को संतुलित करते हुए नौकरी चाहने वालों को नौकरी देने वालों में बदलते हैं। एमएसएमई अब व्यवसाय नहीं, आत्मनिर्भर भारत का डीएनए है और विकसित भारत लक्ष्य हासिल करने में एमएसएमई की भूमिका महत्वपूर्ण रहने वाली है। वित्त वर्ष 2024 में भारत के निर्यात में एमएसएमई का योगदान 45.73 प्रतिशत रहा और वित्त वर्ष 2027 तक जीडीपी में उनकी हिस्सेदारी 30 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो जाएगी। जून 2025 तक उद्यम पोर्टल पर 6.44 करोड़ इकाइयां पंजीकृत होंगी और

26.77 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने युवा-नेतृत्व वाली उद्यमिता पर भी प्रकाश डाला और युवा भारतीयों को सरकारी योजनाओं और मार्गदर्शन द्वारा समर्थित उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया। अनुराग ठाकुर ने महानगरों के अतिरिक्त टियर 2 और टियर 3 शहरों के युवाओं से इनक्यूबेशन सेंटरों, जीएम ओ जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म (5 लाख करोड़ रुपये के जीएम वी को पार कर गया) और एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ाने और गति देने को लिए रैंप जैसी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया, जिससे वित्त वर्ष 2025 में 9.95 लाख एमएसएमई लाभान्वित हुए हैं। साथ ही उन्होंने स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए सरकारी समर्थन की पुष्टि करते हुए स्टार्टअप इंडिया, सीड फंड स्कीम (945 करोड़ रुपये स्वीकृत) और इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम जैसी पहलों पर प्रकाश डाला, जिससे सरकार पहली बार उद्यमियों के लिए जोखिम कम करने में एक प्रमुख भागीदार के रूप में आगे आई है। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का हवाला दिया, जिसके तहत प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में 3,148 करोड़ रुपये वितरित किए गए और 2,10,000 नौकरियां पैदा हुईं। वैश्विक चुनौतियों का ज़िक्र कर उन्होंने अमेरिकी टैरिफ़ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कड़े रुख़ को दोहराया और कहा कि हाल ही में 50 प्रतिशत टैरिफ़ बढ़ोतरी के बावजूद भारत किसी भी कीमत पर एमएसएमई, किसानों और मछुआरों की रक्षा करेगा। उन्होंने 2019 में आरसीईपी में शामिल न होने के प्रधानमंत्री मोदी के फ़ैसले की सराहना की, जिससे बाज़ार में विदेशी वस्तुओं की बाढ़ आने से बचा जा सका और ई-कॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए आगामी 20,000 करोड़ रुपये के निर्यात संवर्धन मिशन पर प्रकाश डाला।

दिल्ली के बाद पंजाब की सत्ता से बेदखल होंगे अरविंद केजरीवाल: वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के सभी विधायकों, निगम पार्षदों और सभी पूर्व प्रत्याशियों के साथ मुलाकात की। केजरीवाल की इस मुलाकात पर भाजपा ने तंज कसा है। दिल्ली भाजपा चीफ वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल दिल्ली के बाद अब पंजाब की सत्ता से भी बेदखल होने वाले हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि अरविंद केजरीवाल अपनी प्रासंगिकता खो चुके हैं और उन्हें पता है कि दिल्ली के बाद पंजाब भी उनके हाथ से निकल रहा है। इसीलिए तो उनकी मीटिंग में कई विधायक और पार्षद भी नहीं पहुंचे हैं।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को धोखा यात्रा करार देते हुए वीरेंद्र सचदेवा ने जोरदार हमला बोला। उन्होंने उस घटना को शर्मनाक करार दिया है, जिसमें पीएम मोदी को लेकर आपत्तिजनक बातों का प्रयोग किया गया। सचदेवा ने कहा कि राहुल गांधी को शर्म आनी चाहिए कि उनकी यात्रा के दौरान भाषा की मर्यादा टूटी। अब उनके प्रवक्ता बहाने बनाने और बकवास करने की कोशिश करते हैं। गंभीरता से सवाल उठाया जाना चाहिए कि क्या ऐसे लोग समाज में रहने के लायक हैं। इस पर भी सोचना चाहिए। दिल्ली भाजपा चीफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग, इंडी गठबंधन की हताशा और नैतिक दिवालियापन को उजागर करता है। यह केवल प्रधानमंत्री मोदी का नहीं, बल्कि हर भारतीय का अपमान है। बिहार का भी अपमान है। बिहार की धरती संस्कारों और मर्यादा के लिए जानी जाती है। इस धरती के लोग ऐसे अपमान को कभी बर्दाश्त नहीं करेंगे। देश की जनता और बिहार की जनता इसका जवाब अवश्य देगी और मजबूती से देगी। बता दें कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा सासाराम से शुरू हुई और पटना के गांधी मैदान में एक सभा के साथ समाप्त होगी।

संपादकीय

क्या इसी तरह हम हमेशा डूबते रहेंगे ?

एक दशक पहले, राज्य और विशेष रूप से राजधानी मुंबई अत्यधिक बारिश से रो रही थी। लेकिन हम यह साबित करने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं कि हमारे पास संकट से सीखने की बुद्धि नहीं है। पिछले तीन दिनों की बारिश ने दिखाया है कि यह अत्यधिक वर्षा नहीं है और यह अघोरी नहीं है। वर्तमान 24 घंटों में, मुश्किल से 300 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। दस साल पहले, 2015 में, मुंबई में 1500 मिमी बारिश हुई थी। हमारी प्रगति इतनी जोरदार रही है कि 300 मिमी वर्षा भी मुम्बई, जो कि एक महानगर, देश की वित्तीय राजधानी आदि है, के नाक और मुंह से पानी पोंछने के लिए पर्याप्त है और 74000 करोड़ बजट वाली मुंबई बरसात में डूब गई!

यह सिर्फ अभी नहीं है। तीन महीने पहले, मई में, जब बारिश ने हमारी प्रशासनिक गरीबी को प्रभावित किया, तो मुंबई 300-400 मिमी बारिश में झुक गई। पुणे अलग नहीं है। नव स्थापित नवी मुंबई की वास्तविकता अलग क्यों है? मुंबई की तरह, पुणे में 28 नए कभी न खत्म होने वाले स्थानों पर बाढ़ आ गई, जबकि नवी मुंबई का क्षेत्र, जिसे लाडाकोडा में सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक्ट (सीबीडी) कहा जाता है, भी जलमग्न हो गया। अकेले स्मार्ट शहरों को छोड़ दें; लेकिन पुणे में, जहां पीने के पानी के लिए लड़ाई हुई थी, पानी अब घुटने से ऊपर जमा हो रहा है। साइकिलों के इस शहर की सड़कें, फिर दोपहिया वाहन, कारों के ट्रैफिक से बहने लगी हैं। चलो अन्य मामलों में चलते हैं, लेकिन नागरिक असुविधा और शहर की उदासीनता के मामले में, पुणे को यह स्वीकार करना होगा कि पुणे ने मुंबई की बराबरी कर ली है! नासिक, औरंगाबाद, नागपुर या कोल्हापुर जैसे अन्य शहरों में इन दो दिनों में मुंबई और पुणे जैसी बारिश नहीं हुई। अन्यथा, इन शहरों के चेहरे इन दो महानगरों से अलग नहीं हैं। बारिश ने मराठवाड़ा और कोंकण में कहर बरपाया है, विशेष रूप से मराठवाड़ा में नारंगी और मोसंबी के बाग और दोनों क्षेत्रों में खड़ी फसल। प्रारंभिक अनुमानों के अनुसार, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य में लगभग 12-14 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसलों को नुकसान पहुंचाया है। नुकसान बहुत बड़ा है। कुछ जगहों पर तो कृषि भूमि भी सचमुच बह गई है। महानगरों और शहरों में जनजीवन में व्यवधान और ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि भूमि के नुकसान को अगर हम गिन लें तो ये आंकड़ा निश्चित रूप से कुछ हजार करोड़ तक जाएगा। सरकार को जनहानि की भरपाई नहीं करनी है। लेकिन फसलों के नुकसान की भरपाई सरकार को करनी है। फसल बीमा योजना में हाल के बदलावों ने मूल रूप से इस योजना के प्रति किसानों की प्रतिक्रिया को कम कर दिया है। नुकसान की जिम्मेदारी सरकार को लेनी होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अगर नुकसान का आकलन और भरपाई करनी होगी तो यह संख्या बहुत बड़ी होगी।

यह सर्वविदित है कि महाराष्ट्र में प्रवासियों की संख्या बढ़ रही है। गांवों से अर्ध-शहरी क्षेत्रों और शहरों में प्रवास भी बढ़ रहा है। इसलिए, शहरी बस्तियों के लिए अधिक से अधिक भूमि का उपयोग किया जा रहा है। शहरी बस्तियां सिर्फ घर, सड़क, पानी की आपूर्ति, सीवेज प्रबंधन आदि नहीं हैं।बिजली आपूर्ति जैसी कई सुविधाएं हैं। इन प्रणालियों को बदलती जीवन शैली के साथ अद्यतित होने की आवश्यकता है। दुर्भाग्य से, वे ऐसे नहीं दिखते। यदि वे नहीं थे, तो शिकायत करने के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन अगले 50 वर्षों के लिए नए लोगों की योजना नहीं बनाई जा रही है। उनकी गुणवत्ता का सवाल एक और मामला है। दो या तीन दिनों की भारी बारिश या बादल फटने से अक्सर पता चला है कि इन प्रणालियों के डिजाइन के वैज्ञानिक पहलुओं का सख्ती से पालन नहीं किया जाता है। कभी-कभी पीरियड लंबा होता जा रहा है, कहां घट रहा है। भले ही बारिश की मात्रा समान हो, लेकिन बहुत कम समय में हर साल तेज बारिश होने लगी है। इसे हम सिर्फ बादल फटना कहते हैं। अगर यह हर साल कहीं हो रहा है, तो हम इसके बारे में कितनी शिकायत करेंगे? और कितनी बार हम अपने शहर नियोजन असुरक्षा के लिए एक ही कारण का हवाला देंगे? प्रकृति का चक्र अभी पूरी तरह से मनुष्य के हाथ में नहीं है। इसलिए, हमें अपना जीवन बदलना होगा, हमें योजना में आवश्यक परिवर्तन करना होगा। हमें यह ध्यान रखना होगा कि तीव्र वर्षा अगला नया सामान्य है। हमें नए समाधान खोजने होंगे। पिछले दस वर्षों में, उस संबंध में कोई बदलाव नहीं हुआ है। विभाग, शहरी विकास-ग्रामीण विकास विभाग और शहरी नियोजन विभाग को चुनौती स्वीकार करनी होगी और विशेषज्ञों की मदद लेनी होगी। मूल रूप से, जनप्रतिनिधियों और संस्थानों और सरकार के बिना काम करने वाले इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को केवल निविदा और सुप्रामा में शामिल प्रणाली को जागृत करना होगा। जलवायु परिवर्तन पर चर्चा की जाती है, लेकिन स्थानीय समाधानों के लिए बहुत कुछ नहीं हो रहा है। जलवायु परिवर्तन केवल सेमिनारों और सेमिनारों का विषय नहीं है। पिछले दो दिनों में कोंकण, मुंबई-ठाणे-पुणे, मराठवाड़ा और महाराष्ट्र के कुछ अन्य हिस्सों में जीवन की गिरावट का कारण जलवायु परिवर्तन भी है।परिवर्तन कहने का कारण यह है कि हम शहर नियोजन में ध्यान रखना भूल गए हैं। शहर मुर्गियों की तरह लगते हैं जो हमें केवल सोने के अंडे देते हैं।

फ्लोटिंग मैट एरिया, हवा में काल्पनिक इलाके, और इसकी बढ़ती मात्रा शहर नियोजन के मूल में आ गई है। अवास्तविक भूमि की कीमतें और परिणामस्वरूप भूमि चोरी की प्रथाएं न केवल महानगरों और शहरों में, बल्कि गांवों में भी, नदियों और धाराओं पर अतिक्रमण, नदी तल में निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं। बेहिसाब सीमेंटेशन, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक है, क्षति के लिए जिम्मेदार है। यह सिर्फ किसी की जेब भरने का सवाल नहीं है। सामान्य, या असामान्य; यह एक दिन सभी के जीवन के साथ आएगा। यह केवल एक प्रस्तावना है। अगली त्रासदी को समझना बुद्धिमानी है। हमारी प्रगति ऐसी है कि उन कारणों के अलावा हमने अपने गांवों को भी जलमग्न कर दिया है। शहरों की तरह कोई गड्ढा नहीं होगा, कोई सड़क नहीं होगी, कोई चमकदार इमारतें नहीं होंगी, कोई महानगर नहीं होगा, और चारों ओर खुले जंगल नहीं होंगे। लेकिन हमारे पास शहरों की तरह वे गांव भी जलमग्न हैं। यानी अत्यधिक विकास शहरों को मार देगा और विकास के अभाव में गांव भी नष्ट हो जाएंगे। सीमित नहीं।

इस विनाश की गंभीरता और पैमाने को इस विनाश के पैमाने और गंभीरता से देखा जा सकता है। प्रारंभिक अनुमान है कि अकेले महाराष्ट्र में 1.4 मिलियन एकड़ भूमि पर फसलें पिछले तीन दिनों में जलमग्न हो गई हैं। अर्थात, कुल कृषि भूमि का 8 से 10 प्रतिशत से अधिक प्रभावित नहीं होगा। कुछ किसानों के लिए, पूरे खरीफ सीजन को पानी पिलाया जा सकता है। यह अर्ध-शहरी निवासियों के लिए सिर्फ एक असुविधा हो सकती है, लेकिन कृषि पर आधारित लाखों लोगों के लिए, यह पर्यावरणीय परिवर्तन जीवन बदलने वाला है।

यह सिर्फ अत्यधिक वर्षा के कारण नहीं है। बढ़ते तापमान, मौसमी, आदि ने भी किसानों के जीवन को प्रभावित किया है। यही है, किसानों को पारंपरिक फसल पैटर्न को बदलने की जरूरत है। लेकिन यह परिवर्तन व्यक्तिगत या सामुदायिक स्तर पर नहीं किया जा सकता है।

यह सरकार की तरह एक मजबूत प्रणाली होनी चाहिए और इसे बदलती जलवायु, बदलते फसल पैटर्न आदि के अनुरूप नई किस्मों को विकसित करने के मुद्दों पर किसानों का मार्गदर्शन करना चाहिए। अभी भी कोई सबूत नहीं है कि हमारी सरकारों के पास इन पर्यावरणीय परिवर्तनों से निपटने के लिए प्रशासनिक उपकरण हैं।

पर्यावरण परिवर्तन, असामयिक और बरसात के मौसम आदि के लिए कृषि, मछली पकड़ने, पर्यटन जैसे कई मोर्चों पर नई नीतिगत सोच की आवश्यकता होती है। क्या ऐसा कुछ हो रहा है, इस सवाल का जवाब नकारात्मक होगा। हमारे राजनेता इन गंभीर सवालों की तुलना में विकास कार्यों में अधिक रुचि रखते हैं।विकास का मतलब है बिल्डर केंद्रित कार्य, परियोजनाएं हाथ में लेना। चाहे दिल्ली हो, पुणे हो, मुंबई हो या कहीं और। इंफ्रास्ट्रक्चर बिल्डिंग का मतलब है जितने चाहे बिल्डरों को ठेके देना चाहते हैं। बाकी शहरी पहाड़ियों पर इमारतें खड़ी करने में कोई शर्म नहीं है, और बाकी शहरी पहाड़ियों पर उन्हें बनाने में कोई शर्म नहीं है।

स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति स्कूल, समाज के लिए घातक

अशोक भाटिया

आज के दौर में बच्चों में गुस्सा और हिंसक प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। छोटी-सी बात पर मारपीट या आक्रामक व्यवहार कई बार गंभीर अपराधों का रूप ले लेता है। इस चिंता को और गहरा कर देती है। ऐसे में माता-पिता की भूमिका सबसे अहम हो जाती है। दरअसल, पहले सवाल यह उठता है कि मासूम उम्र, जहां पढ़ाई-खेलकूद और सपनों की उड़ान होनी चाहिए, वहां खून-खराबा क्यों?

हाल ही में सामने आई अहमदाबाद की घटना, जिसमें 8वीं कक्षा के छात्र ने 10वीं के स्टूडेंट की हत्या कर दी। इस घटना ने सांप्रदायिक रंग भी ले लिया ।. आरोपी छात्र अल्पसंख्यक समुदाय से है, जबकि पीड़ित सिंधी समाज से था । उसके पहले दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, चेन्नई समेत देश के कई हिस्सों में स्कूलों के अंदर कुछ छात्रों द्वारा किसी छात्र या शिक्षक की हत्या। इसके अलावा हाल ही में दिल्ली के ज्योति नगर इलाके के एक सरकारी स्कूल में कुछ छात्रों ने 10वीं के छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। दिल्ली से सटे गुरुग्राम के एक बड़े निजी स्कूल में हुई बहुचर्चित प्रद्युम्न हत्याकांड समाज को झकझोर कर रख देने वाली घटना है। उधर, गुजरात के वड़ोदरा में एक छात्र की चाकू से 31 बार वार कर हत्या कर दी गई। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के सेंट मैरी एंग्लो इंडियन स्कूल में 12वीं कक्षा के एक छात्र ने प्रधानाचार्य की हत्या कर दी। देशभर में इस तरह की कई घटनाएं हैं, जो स्कूली छात्रों में पनप रही हिंसा की प्रवृत्ति की ओर इशारा करती हैं। ये घटनाएं समाज के लिए खतरे की घंटी हैं। मनोवैज्ञानिकों और शिक्षाविदों की मानें तो स्कूली छात्रों के मन में भरी कुंठा, ईर्ष्या और असहिष्णुता के कारण स्कूली बच्चे इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे समाज के लिए खतरा बनती जा रही है।

इस संदर्भ में सवाल उठते है कि आखिर वे बच्चे अपने साथ कोई घातक चीज लेकर कैसे स्कूल आ गए। क्या बच्चों के थैले या बस्ते की जांच का कोई नियम नहीं है? इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को आदेश दिये थे कि विद्यार्थियों के बस्ते की औचक जांच करने के लिए एक समिति बनाई जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विद्यार्थियों के पास ऐसी कोई सामग्री न हो, जिसका उपयोग किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सके। जाहिर है, इस व्यवस्था के पीछे सरकार की मंशा विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित माहौल बनाना है, ताकि उनके बीच कोई मामूली विवाद जानलेवा हमले में न तब्दील हो जाए। अगर किसी छात्र के पास कोई हथियार नहीं रहेगा, तब गंभीर हिंसा की स्थिति नहीं बनेगी और आपसी विवाद को सुलझाने की गुंजाइश बनी रहेगी।

मगर सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार के पास क्या योजना है?

बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर काम किया जाए।

बचपन में हिंसा के संपर्क और किशोरावस्था में व्यवहार संबंधी समस्याओं के बीच संबंधों की जाँच 88 प्रसूति किशोर माताओं और उनके बच्चों के नमूने में की गई। प्रतिगमन विश्लेषणों से पता चला कि 10 वर्ष की आयु से पहले हिंसा और उत्पीड़न के प्रत्यक्षदर्शी होने से, प्रसवपूर्व मातृ और प्रारंभिक बचपन की बा समस्याओं को नियंत्रित करने के बाद भी, अपराध और हिंसक व्यवहार की भविष्यवाणी की जा सकती है। मध्य बाल्यावस्था के दौरान सामाजिक योग्यता और अवसाद ने लड़कियों के लिए उत्पीड़न और हिंसक व्यवहार के बीच संबंधों को नियंत्रित किया, लेकिन लड़कों के लिए नहीं: सामाजिक योग्यता और अवसाद के निम्न स्तर उन किशोर लड़कियों में अपराध के जोखिम कारकों के रूप में कार्य करते हैं जिन्होंने बचपन में उत्पीड़न का अनुभव किया था। इन निष्कर्षों के युवा हिंसा निवारण कार्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रोफेसर डॉक्टर नवीन कुमार ने स्कूली छात्रों की प्रवृत्ति में आए बदलाव के बारे में कहना है कि स्कूली बच्चों द्वारा हिंसा कुंठा और दबाव का नतीजा है। स्कूली बच्चों की प्रवृत्ति में आए बदलाव के पीछे तीन कारण हैं, जिसमें पहला है कि परिवारों का बच्चों से संवाद कम हो गया है।

माता पिता बच्चों को अधिक समय नहीं दे पा रहे हैं जिस कारण बच्चों में नैतिक मूल्य का निर्माण नहीं हो पा रहा है। इससे बच्चों में सहयोग व सद्भाव वाली भावना घट रही है। दूसरा कारण है शिक्षा प्रणाली। जब तक स्कूली बच्चों की शिक्षण प्रणाली सही नहीं होगी, तब तक वे मानसिक दबाव और तनाव में रहेंगे ही। वे कब क्या कर बैठेंगे, कोई नहीं जानता।

डॉक्टर कुमार ने आगे बताया कि तीसरी बात कि स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली बातें सैद्धांतिक होती हैं, जो बच्चों की रुचि को संतुष्ट नहीं कर पाती हैं। बच्चों को स्कूलों में नियंत्रित वातारण में एक स्थान पर बैठा दिया जाता है, जिस कारण उन्हें शिक्षकों से वन टू वन बातचीत करने में दिक्कत होती है। डॉक्टर कुमार का कहना है कि महानगरीय संस्कृति में और हालात भी बुरे हैं । बच्चे के घर पर आने के बाद उसके मनोभाव व समस्याओं को जानने वाला कोई नहीं रहता। ऐसे में बच्चों को जो ठीक लगता है, वे करते हैं।

क्या इसके लिए समाज भी जिम्मेदार है, इस सवाल पर कहना था कि अगर किसी बच्चे ने सफलता पा ली तो ठीक है, लेकिन अगर वह सफल नहीं हुआ तो परिवार से लेकर समाज तक में उसे कोसा जाता है। ऐसे में उसमें कुंठा बढ़ेगी ही। बचपन आनंद काल होता है, जहां उसके गुणों और आत्मविश्वास का निर्माण होता है, लेकिन स्कूलों में 70 से 80 फीसदी बच्चों को पता ही नहीं होता कि उसे आगे करना क्या है।

डॉक्टर कुमार के अनुसार समाज अब आत्मकेंद्रित होने की ओर बढ़ रहा है, समाज में सफलता का पैमाना आईएएस, आईपीएस और बड़ा व्यापारी मान लिया गया है, लेकिन अच्छा मनुष्य बनने की भावना में कमी आई है। समाज में आम और विशेष की खाई बढ़ी है। समाज में सफलता की परिभाषा हो गई है: शक्तिशाली। जो शक्तिशाली है वह अपना प्रभुत्व कायम कर लेगा। समाज आपको तभी मानेगा जब आप आईपीएस, बड़े व्यापारी या राजनेता होंगे। उनके अनुसार यह एख बहुत ही खतरनाक चलन बन गया है। वे कहते हैं कि देश में कोई व्यक्ति अपने बच्चे को किसान नहीं बनाता और इसी तरह से मौलिक चीजों को भी नजरअंदाज किया जा रहा है।

इन घटनाओं पर स्कूलों द्वारा लगाम लगाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि स्कूल बच्चों का ध्यान रचनात्मक गतिविधियों में लगाएं, सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान न दें, सिर्फ पाठ्यक्रम पढ़ाने से बच्चों का भला नहीं होगा। उन्हें तैराकी सिखाएं, कहीं घूमने ले जाएं या खेल की गतिविधियों में शामिल होने को कहें। साथ ही बच्चों में एक-दूसरे से संवाद की तकनीक पैदा करना भी जरूरी है, ताकि उनमें संवेदना जागे। उन्हें बाहर ले जाकर उन गरीब बच्चों से मिलाएं, जिन्हें ये सब सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। इन उपायों से बच्चों की प्रवृत्ति में बदलाव आएगा।

अभिभावकों की तरफ से बच्चों की परवरिश में कोताही भी उनके इस रवैये के लिए जिम्मेदार है। डॉक्टर कुमार के अनुसार अभिभावकों को बच्चों से लगातार संवाद करना चाहिए । उनके साथ भावनात्मक रूप से जुड़ना चाहिए। अभिभावकों को बातचीत करके समझना चाहिए कि बच्चा क्या चाहता है और यही वह वक्त होता है, जब उसमें कुंठा का भाव उत्पन्न होता है। अगर हम उसे सीधे मना करेंगे तो वह हताश होगा, लेकिन जब हम उसे प्यार से समझाएंगे तो उसमें जागरूकता आएगी, जो काफी महत्वपूर्ण है।

कई लोगों का मानना है कि इक्कीसवीं सदी में हो रही हिंसा और विनाशकारी व्यवहार, कई पीढ़ियों से समाज में बिगड़ती सामाजिक और आर्थिक स्थितियों का परिणाम है। बच्चे और युवा कई तरह के कारणों के संपर्क में आते हैं जो हिंसा से जुड़े हैं। घर पर, वे हिंसा और दुर्व्यवहार (शारीरिक, भावनात्मक और यौन) के संपर्क में आ सकते हैं या उसके शिकार हो सकते हैं; उनका पालन-पोषण ऐसे माता-पिता, अभिभावकों या अन्य देखभाल करने वालों द्वारा किया जा सकता है जो नशीली दवाओं या शराब का दुरुपयोग करते हैं या जिनके पालन-पोषण के कौशल कमजोर हैं; या वे किसी ऐसे परिवार में रह सकते हैं जो बिखरा हुआ है। इसके अतिरिक्त, कई बच्चे गरीबी, भेदभाव और बिगड़ते पड़ोस के प्रभावों को महसूस करते हैं। आक्रामकता और हिंसा के अन्य जोखिम कारकों में हैंडगन जैसे हथियारों तक आसान पहुँच और नशीली दवाओं और शराब, गिरोहों या अन्य असामाजिक समूहों के साथ कम उम्र में जुड़ाव और संपर्क, और मीडिया और ऑनलाइन में दिखाई जाने वाली हिंसा का व्यापक संपर्क शामिल है।

स्कूल हिंसा के इतने व्यापक होने का एक कारण इंटरनेट और चौबीसों घंटे चलने वाले टेलीविजन समाचार चैनलों द्वारा सूचनाओं के प्रसारण की तात्कालिकता है। कुछ समाजशास्त्रियों का मानना है कि मीडिया हिंसा को बढ़ा-चढ़ाकर और सनसनीखेज बनाकर पेश करता है, और इसका इस्तेमाल कुछ लोग गरीबी, शिक्षा और आवास जैसी अन्य सामाजिक समस्याओं से ध्यान हटाने और वित्तीय संसाधनों को बर्बाद करने के लिए करते हैं । संघर्ष सिद्धांतकार, विशेष रूप से, स्कूलों में हिंसा पर ध्यान केंद्रित करने की निंदा करते हैं। वे कहते हैं कि स्कूलों में (विशेषकर आंतरिक शहरों में) हिंसा एक सतत समस्या रही है, लेकिन जब पीड़ित मध्यम वर्ग से आते हैं, तो राजनेता कानूनी उपाय लागू करने का प्रयास करते हैं । दूसरी ओर, नारीवादी सिद्धांतकारों का मानना है कि स्कूलों में हिंसा करने वाले आमतौर पर पुरुष होते हैं, और पीड़ित अक्सर महिलाएँ होती हैं। परिणामस्वरूप, वे अक्सर स्कूलों में हिंसा को महिलाओं के विरुद्ध हिंसा का एक प्रकार मानते हैं ।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

स्पेस जंक: भविष्य के मिशनों पर मंडराता खतरा

सुनील कुमार महला

आज हर कहीं प्रदूषण का बोलबाला है और अब केवल धरती ही नहीं, बल्कि अंतरिक्ष भी प्रदूषण की चपेट में आ चुका है। इसे स्पेस डेब्रिस या अंतरिक्ष कचरा कहा जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि जब उपग्रह (सैटेलाइट), रॉकेट, अंतरिक्ष यान आदि अपने कार्य पूरे करने के बाद निष्क्रिय हो जाते हैं या टूट-फूट जाते हैं, तो उनके अवशेष अंतरिक्ष में ही तैरते रहते हैं और यही कचरा या मलबा अंतरिक्ष प्रदूषण कहलाता है।सच तो यह है कि निष्क्रिय उपग्रह,जिनका कार्यकाल पूरा हो जाता है, अंतरिक्ष कचरा पैदा करते हैं। अनेक बार उपग्रहों या मलबे की आपसी टक्कर से भी छोटे-छोटे टुकड़े अंतरिक्ष में फैल जाते हैं। ईंधन खत्म होने के बाद भी रॉकेट के टुकड़े अंतरिक्ष में तैरते रहते हैं।अंतरिक्ष मिशनों की असफलता या यूं कहें कि फेल हुए यान और उनके हिस्से भी अंतरिक्ष कचरे का बड़ा कारण बनते हैं। अंतरिक्ष में कचरा फैलने का दुष्परिणाम यह होता है कि इससे जहां एक ओर पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले नए उपग्रहों और स्पेस स्टेशनों के लिए खतरा पैदा हो जाता है, वहीं दूसरी ओर स्पेस मिशनों की लागत और जोखिम भी इससे बढ़ जाता है। कहना गलत नहीं होगा कि अंतरिक्ष में बन रहे कचरे के बादल जीपीएस, संचार और मौसम के पूर्वानुमान सहित अंतरिक्ष आधारित तकनीकों पर निर्भर उद्योगों के लिए विनाशकारी सिद्ध हो सकता है। इतना ही नहीं, पृथ्वी के वातावरण में गिरते मलबे से जन-जीवन को भी खतरा पैदा होता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि जब अंतरिक्ष में मलबा इतना बढ़ जाए कि उपग्रह भेजना असंभव हो जाए, तो इसे केसलर सिंड्रोम के नाम जाना जाता है। आज मानव धरती तो धरती, अंतरिक्ष के रहस्यों को जानने के लिए नित नए शोध, अनुप्रयोग कर रहा है, लेकिन आज दुनिया भर से लॉन्च होने वाले बड़े सैटेलाइट, कम्युनिकेशन सैटेलाइट, रॉकेट और उनके ईंधन धरती के साथ ही अंतरिक्ष को भी लगातार प्रदूषित कर रहे हैं, यह बहुत ही चिंताजनक है।गौरतलब है कि लंदन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने हाल ही के अपने अध्ययन में इसका खुलासा किया है और इस पर अपनी चिंताएं जताई है।यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन(यूसीएल) के प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर एलोइस मराइस और उनकी टीम ने यह पाया कि वर्ष 2023 में 223 तथा वर्ष 2024 में 259 रॉकेट लॉन्च किए गए, और कुल मिलाकर, इनसे 153,000 टन से अधिक ईंधन जलाया गया है। इसके बड़े पर्यावरणीय प्रभाव पड़े हैं। जानकारी के अनुसार इन लॉन्चों और मेगा-कॉन्स्टेलेशन सैटेलाइट्स जैसे स्टार लिंक,वनवेब तथा थाउजेंड सैल्स से सूट और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में तीन गुना बढ़ोतरी देखी गई है।ये प्रदूषक ऊपरी वायुमंडल में लंबे समय तक रहते हैं और सतही स्त्रोतों की तुलना में 500 गुना अधिक गर्मी फैलाने की क्षमता रखते हैं। बताया गया है कि भविष्य में अमेजन कुईपर मिशन द्वारा इस्तेमाल होने वाले ठोस ईंधन से ओजोन-ध्वंसक क्लोरीन यौगिक निकलेंगे, जो धरती की सुरक्षा परत कहलाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। विशेषज्ञ इस बात से सहमत है कि इस संकट के हल के लिए तकनीकी नवाचार और सख्त नियम दोनों की जरूरत है। बहरहाल, शोध में यह भी खुलासा हुआ है कि साल 2024 में 2,539 वस्तुएँ वायुमंडल में वापस आकर जल गईं, जिसके कारण 13,500 टन सामग्री वायुमंडल में घुली। इतना ही नहीं, उपग्रह पुनः प्रवेश से रासायनिक प्रदूषण हुआ है। डॉ. कोनोर बार्कर ने पाया कि उपग्रहों और रॉकेट के टुकड़ों के वायुमंडल में जलने से जारी एलुमिनियम और नाइट्रोजन ऑक्साइड्स की मात्रा 2020 की 3.3 बिलियन ग्राम से बढ़कर 2022 में 5.6 बिलियन ग्राम हो गई।प्रोफेसर एलोइस मराइस ने शोध-पत्र में यह दिखाया है कि रॉकेट लॉन्च और अंतरिक्ष कचरा उत्सर्जन ओजोन परत की मरम्मत–जिसे मांट्रियल प्रोटोकॉल के तहत हासिल किया गया था–को प्रभावित कर रहे हैं, और वैश्विक जलवायु को भी बदल रहे हैं। पाठकों को यहां बताता चलूं कि मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ओजोन-क्षयकारी पदार्थों के उत्पादन और उपभोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए 1987 में हस्ताक्षरित एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है, ताकि पृथ्वी की समतापमंडलीय ओजोन परत की रक्षा की जा सके। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ओजोन परत वायुमंडल के स्ट्रैटोस्फीयर (समताप मंडल) में पाई जाती है, जो धरती की सतह से लगभग 10 से 50 किलोमीटर की ऊँचाई पर फैली हुई है। इसमें ओजोन गैस (ड3) के अणु मौजूद होते हैं। यह सूर्य से आने वाली पराबैंगनी किरणें (अल्ट्रावायलेट रेज) जीव-जंतुओं, पौधों और मनुष्यों के लिए हानिकारक होती हैं। ओजोन परत इन किरणों को सोखकर धरती पर पहुँचने से रोकती है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल एक सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत बहुपक्षीय पर्यावरण समझौता है, जिसका उद्देश्य ओजोन परत को नुकसान पहुँचाने वाले रसायनों, जैसे क्लोरोफ्लोरोकार्बन (सीएफसीज), को नियंत्रित करना है। बहरहाल,यह एक कटु सत्य है कि जैसा कि शोधकर्ता ने भी कहा है कि, रॉकेट और सैटेलाइट से वायुमंडल में पहले से कहीं अधिक प्रदूषण फैल रहा है। भले ही यह उत्सर्जन अन्य उद्योगों से कम हो, लेकिन ऊपरी वायुमंडल में यह 500 गुना अधिक नकारात्मक असर यानि प्रदूषण का कारण बन सकता है। शोधकताओं ने पाया कि इससे प्रदूषण रोकने वाली परत को नुकसान पहुंच रहा है।उनका यह कहना है कि रॉकेट और सैटेलाइट से पहले कभी इतना प्रदूषण वायुमंडल की ऊपरी परतों में नहीं छोड़ा गया। यह परत प्रदूषण को लंबे समय तक रोककर रखती है। इंसानों ने वायुमंडल की ऊपरी परतों में इतना प्रदूषण पहले कभी नहीं फैलाया। समय रहते यदि इसे नहीं रोका गया, तो पृथ्वी के वायुमंडल पर इसके गंभीर असर दिख सकते हैं। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि वर्तमान में दस देशों के अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा सैटेलाइट मौजूद हैं। गौरतलब है कि इस साल पृथ्वी के ऑर्बिट में सबसे ज्यादा सैटेलाइट की भीड़ है। वहां मौजूद करीब 12,952 सैटेलाइट में से सबसे ज्यादा अमेरिका के हैं। इसके बाद क्रमशः रूस के 1559, चीन के 906, ब्रिटेन के 763, जापान के 203, भारत के 136,फ्रांस के 100, जर्मनी के 82, इटली के 66 और कनाडा के 64 सैटेलाइट मौजूद हैं। हाल फिलहाल, अंतरिक्ष कचरे को लेकर सवाल यह उठता है कि आखिर इसके पीछे जिम्मेदारी किसकी है ? तो यहां पाठकों को बताता चलूं कि जब अंतरिक्ष मलबा बनता है तो उसे साफ करने या उसकी निगरानी की जिम्मेदारी उस देश की होती है जिसने वस्तु को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया। इस क्रम में अंतरिक्ष मलबे पर पहला जुमार्ना 2023 में यूएस फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन द्वारा डिश नेटवर्क को जारी किया गया था। पाठकों को यहां यह भी बताता चलूं कि पिछले कुछ दिनों में केन्या समेत अन्य जगहों पर अंतरिक्ष से मलबा गिरने की खबर मिली थी।

भारत में रिश्तों का बदलता रंग

ग्रेटर नोएडा में एक दिल दहलाने वाली घटना ने तथाकथित मॉडर्न इंडियन सोसायटी की काली सच्चाई को प्रकाशित किया है। 28 वर्षीय निक्की को उनके पति और ससुराल वालों ने 36 लाख रुपये की दहेज मांग के लिए क्रूरता से प्रताड़ित कर जला दिया। यह भयावह घटना 21 अगस्त, 2025 को हुई, जिसे निक्की के छह साल के बेटे ने देखा, जिसने बताया कि उसकी मां पर कोई पदार्थ डाला गया, थप्पड़ मारा गया और फिर जिंदा जला दिया गया। यह जघन्य हत्या भारत में दहेज-संबंधी हिंसा की भयावह स्थिति को दशार्ती है, जहां पारंपरिक पारिवारिक मूल्य और वैवाहिक निष्ठा लालच और भौतिकवाद के दबाव में तार-तार हो रही है। कार, मोटरसाइकिल और सोना देने के बावजूद, निक्की का परिवार लगातार उत्पीड़न का शिकार रहा। क्या हमारा समाज बिखर रहा है या आधुनिकता का बोझ झेल नहीं पा रहा है?

आंकड़े बता रहे हैं कि शादी से जुड़ी सभी समस्याएं पेचीदा और सीरियस हो रही हैं। तलाक और विवाहोत्तर संबंध आम हो रहे हैं। सोशल एक्टिविस्ट पद्मिनी अय्यर ने सही पूछा है जब दिल मोहब्बत की आग में जलते हैं और उसी को तलाक की ठंडी राख बुझा देती है, तो सवाल उठता है–टूटता क्या है? रिश्ता या समाज की पुरानी परंपराएँ? यही मंथन बदलते भारत की सबसे बड़ी हकीकत बन चुका है। शादी, जिसे कभी सात जन्मों का बंधन कहा जाता था, अब कितनी देर में टिकती है–यह बहस हर घर तक पहुँच चुकी है।

भारत में तलाक की दर-दुनिया की तुलना में अब भी बेहद कम, लगभग 1% ही है। लेकिन शहरी इलाकों की तस्वीर कुछ और कहती है। 2023 के एक अध्ययन के मुताबिक दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों में तलाक के मामलों में 350% की बढ़ोतरी हुई। हरियाणा महिला आयोग का दावा है–लगभग 60% तलाक लिव-इन संबंधों से जुड़े हैं।

आँकड़े अदालतों की फाइल नहीं, समाज की बेचैनी बयान करते हैं। सोशल एक्टिविस्ट मुक्ता गुप्ता कहती हैं, कारण साफ हैं–महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता, बदला हुआ जीवनचर्या, और सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़। किसका घर बड़ा है, किसकी कार चमकदार है, किसका साथी ज्यादा आकर्षक–यह तुलना रिश्तों को खोखला कर रही है। धैर्य की कमी ने इन्हें और नाजुक बना दिया है।

पुरानी कहावत जैसे नए अर्थ में लौट आई है–दूर के ढोल सुहावने।

1961 का दहेज निषेध अधिनियम किताबी साबित हो रहा है। ठउफइ के 2023 आँकड़े बताते हैं कि हर साल लगभग 7,000 दहेज हत्या और 1.7 लाख से अधिक उत्पीड़न शिकायतें दर्ज होती हैं। पिंपरी-चिंचवड़ की 26 वर्षीय महिला की आत्महत्या ने फिर सवाल उठाया–क्या यह हमारी उसी संस्कृति का हिस्सा है जिस पर गर्व किया जाता है?

कानून भी बदलते दौर में दायरा बढ़ा रहा है। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि लिव-इन रिलेशनशिप में भी दहेज के आरोप दर्ज हो सकते हैं। यानी सुरक्षा अब केवल पवित्र विवाह तक सीमित नहीं। शहरों में युवाओं के लिए लिव-इन आज लगभग सामान्य है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता (अनुच्छेद 21) के तहत मान्यता दी है। मगर चुनौतियाँ यहाँ भी कम नहीं। उत्तराखंड महिला आयोग की 2024 की दूसरी तिमाही में 650 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें 300 से ज्यादा लिव-इन मामलों से जुड़ी थीं। अदालतें मान चुकी हैं कि ऐसे रिश्तों के टूटने का बोझ महिलाओं पर ज्यादा भारी पड़ता है। शायद एक वर्ग लिव इन को टेस्ट ड्राइव समझने लगा है।

2023 में भारत में 30% शादियाँ प्रेम विवाह थीं। पर सामाजिक दबाव, जातीय भेदभाव और आर्थिक असमानताएँ इन्हें तोड़ देती हैं। विडंबना यह कि कई प्रेम-विवाह भी दहेज और घरेलू हिंसा के दलदल से अछूते नहीं रहे। मोहब्बत से शुरू हुआ रिश्ता धीरे-धीरे बोझ बन जाता है।

शहरी विवाह संकट की एक खुली कड़ी है–व्यभिचार। ग्लोबल डेटिंग प्लेटफॉर्म Ashley Madison के मुताबिक, भारत में 53% वयस्कों ने स्वीकार किया कि उन्होंने शादी के बाहर संबंध बनाए।

टोनी ब्लेयर और जेरेड कुशनर ने ट्रंप से की गाजा योजना पर चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और जेरेड कुशनर ने व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के साथ युद्धोत्तर गाजा के लिए एक योजना पर चर्चा की। तीनों के बीच यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब प्रशासन लगभग दो साल से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के तरीके तलाश रहा है।सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार राष्ट्रपति के विदेश दूत स्टीव विटकॉफ और प्रशासन के अन्य शीर्ष सहयोगी भी बैठक में शामिल हुए। ओवल ऑफिस में हुई यह बैठक एक घंटे से अधिक समय तक चली। चर्चा का पूरा विवरण अभी सामने नहीं आ पाया है। नेतन्याहू के करीबी माने जाने वाले कुशनर राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद हैं और उनके पहले प्रशासन के दौरान वह प्रभावशाली सलाहकार रहे हैं। दूसरे कार्यकाल के लिए ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से वह मध्य पूर्व के मुद्दों पर प्रशासनिक अधिकारियों को चुपचाप सलाह दे रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस में उनकी कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है।

नेपाल आने वाले 400 से अकि कंटेनर चीन की सीमा में रुकने से नेपाल के व्यापारी परेशान

एजेंसी

काठमांडू। बाढ़ और भूस्खलन के कारण नेपाल चीन के बीच दो प्रमुख व्यापार मार्ग लगभग पूरी तरह से बंद हो गए हैं, जिससे नेपाल में बड़ी मात्रा में आयात होने वाली उपभोक्ता वस्तुओं का आयात नहीं हो पा रहा है। चीन की सीमा में करीब 400 से अधिक कंटेनरों के होल्ड होने से नेपाल के व्यापारी परेशान हैं।

व्यापारियों ने बताया है कि नेपाल आने के लिए तैयार माल से भरे लगभग 400 कंटेनर वहां फंसे हुए हैं, क्योंकि नेपाल चीन को जोड़ने वाले मुख्य व्यापारिक केंद्र, तातोपानी और रसुवागढ़ी, मानसून से संबंधित आपदाओं के कारण लगभग बंद हो गए हैं। चीन में कंटेनरों के रुकने के कारण इस वर्ष के पर्व त्यौहारों को लक्षित करते हुए व्यवसायियों द्वारा मंगाया गया सामान बाढ़ और भूस्खलन के कारण नहीं आ सका, इसलिए उपभोक्ताओं

को इस वर्ष सामान की कमी और अनियंत्रित मूल्य वृद्धि के दोहरे बोझ का सामना करना पड़ रहा है। नेपाल ओवरसीज एक्सपोर्ट इम्पोर्ट एसोसिएशन के महासचिव जयंत कुमार अग्रवाल के अनुसार, चीन से आने वाले लगभग 400 कंटेनर माल को रोक दिया गया है। उन्होंने कहा, हमारे पास सटीक आंकड़े नहीं हैं, लेकिन हमारा अनुमान है कि चीन से आने वाले लगभग 400 कंटेनर माल को रोक दिया गया है। उन्होंने बताया कि उन कंटेनरों में आने वाले पर्व त्यौहारों के लिए लक्षित पूरा सामान शामिल है, जैसे कपड़े, जूते, सेब, अखरोट, लहसुन, सूखे मेवे और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट। महासचिव अग्रवाल कहते हैं कि यह सिर्फ इस साल के मानसून से पैदा हुआ एक बार का संकट नहीं है, बल्कि हर साल आने वाली एक आवर्ती आपदा है। यह समस्या सिर्फ आज की नहीं है, हम वर्षों से इससे जूझ रहे हैं। नई व्यापारिक सीमा को उन्नत करना जरूरी है। अगर चीन के साथ व्यापार समुद्र के रास्ते होता है, तो बाजार में कीमतें और कमी दोनों निश्चित रूप से बढ़ेंगी। नेपाल हिमालयन क्रॉस-बॉर्डर कॉमर्स एसोसिएशन के महासचिव राम चंद्र पराजुली के अनुसार, यदि चीन में फंसे सामान अगले 10 से 15 दिनों के भीतर नेपाल में प्रवेश नहीं कर पाते हैं, तो पर्व त्यौहारों का सीजन और महंगा होना तय है।

अलास्का में एफ-35 क्रैश रिपोर्ट : पायलट ने दुर्घटना से पहले इंजीनियरों से की थी लंबी बात

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी वायुसेना के अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान की इस साल जनवरी में अलास्का के आइल्सन एयरफोर्स बेस पर हुई दुर्घटना की जांच रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान क्रैश होने से कुछ समय पहले पायलट ने लॉकहीड मार्टिन के इंजीनियरों के साथ करीब 50 मिनट तक कॉन्फ्रेंस कॉल पर चर्चा की, ताकि तकनीकी समस्या का समाधान निकाला जा सके। जांच में पता चला कि घटना की जड़ लैंडिंग गियर के हाइड्रोलिक सिस्टम में बर्फ जमने से हुई गड़बड़ी थी। उड़ान भरते ही पायलट को गियर वापस खींचने में दिक्कत हुई। बाद में नोज गियर एक गलत एंगल पर लॉक हो गया। इसके चलते विमान के सिस्टम ने गलत संकेत प्राप्त किए और यह मान लिया कि विमान जमीन पर है, जिससे लगातार तकनीकी विफलताएं शुरू हो गईं। मानक प्रक्रियाओं से समस्या हल नहीं होने पर पायलट ने लॉकहीड के पांच इंजीनियरों से संपर्क किया, जिनमें लैंडिंग गियर और सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ भी शामिल थे। इंजीनियरों के सुझाव पर पायलट ने दो बार टच-एंड-गो लैंडिंग का प्रयास किया, लेकिन इससे स्थिति और बिगड़ गई। दोनों मुख्य लैंडिंग गियर भी फंस गए और ठीक से वापस नहीं खुल पाए। इसके बाद ही विमान के सेंसर ऑटोमैटिक ग्राउंड-ऑपरेशन मोड में शिफ्ट हुए, एफ-35 अनियंत्रित हो गया। अंततः पायलट को इजेक्ट करना पड़ा। विमान क्रैश होकर आग के गोले में तब्दील हो गया। करीब 20 करोड़ डॉलर की लागत वाला यह अत्याधुनिक फाइटर पूरी तरह नष्ट हो गया, जबकि पायलट को मामूली चोटें आईं।

सीआईडी ने शुरू की श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल से प्रधानमंत्री हरिनी की मुलाकात की जांच

कोलंबो। श्रीलंका के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने उन सोशल मीडिया पोस्ट्स की जांच शुरू कर दी है, जिनमें दावा किया गया कि प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से अस्पताल में मुलाकात की थी। मलिगाकांडा मजिस्ट्रेट ने सीआईडी को सूचित किया है कि जरूरत पड़ने पर कोलंबो के राष्ट्रीय अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की जांच की अनुमति दी जा सकती है। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार मजिस्ट्रेट लोचानी अबेविक्रमा ने सीआईडी को प्रधानमंत्री अमरसूर्या और उनके सुरक्षाकर्मियों के बयान दर्ज करने का आदेश दिया है। सीआईडी ने मजिस्ट्रेट को सूचित किया है कि उन सोशल मीडिया पोस्ट्स की जांच शुरू कर दी गई है, जिनमें दावा किया गया कि प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से अस्पताल में मुलाकात की। मजिस्ट्रेट ने सीआईडी को सूचित किया कि प्रधानमंत्री और उनके सुरक्षा अधिकारियों के बयान दर्ज करने के बाद यदि आवश्यक हो तो राष्ट्रीय अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की जाँच करने की अनुमति दी जा सकती है। रानिल को भ्रष्टाचार के केस में गिरफ्तारी के बाद 26 अगस्त को जमानत के बाद रिहा किया गया है। श्रीलंका की 16वीं प्रधानमंत्री हरिनी दिल्ली विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा हैं। साल 1988-89 में श्रीलंका में तमिल आंदोलन के कारण हालात हिंसक हो जाने पर हरिनी अमरसूर्या पढ़ाई के लिए भारत आई थीं। 1990 में हरिनी ने हिंदू कॉलेज में प्रवेश लिया। उन्होंने 1991 से 1994 तक समाज शास्त्र की पढ़ाई की।

प्रिंस हैरी और किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह, आठ सितंबर को हो सकती है मुलाकात

एजेंसी

लंदन। प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स तृतीय के बीच सुलह का रास्ता लगभग खोज लिया गया है। पिता और पुत्र के बीच 20 महीनों में पहली बार होने वाली मुलाकात पर दुनिया भर की निगाहें लगी हुई हैं। प्रिंस हैरी के आठ सितंबर को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की तीसरी पुण्यतिथि पर लंदन में मौजूद रहने की संभावना है। वह वेलचाइल्ड अवार्ड्स में भी शामिल होंगे। हालांकि उनके भाई विलियम ने कथित तौर पर इस निमंत्रण को अस्वीकार कर दिया है। प्रिंस हैरी अमेरिका में रहते हैं।

डेली मेल की खबर के अनुसार, बकिंघम पैलेस के अधिकारियों के साथ एक अनौपचारिक सुलह वार्ता के बाद ड्यूक ऑफ ससेक्स प्रिंस हैरी और उनके पिता किंग चार्ल्स द्वितीय के बीच मुलाकात होनी लगभग तय है। एक अमेरिकी सूत्र के अनुसार, अब दोनों पक्षों में काफी हद तक पारिवारिक मुद्दे सुलझ गए हैं। प्रिंस हैरी की टीम और पैलेस ने बातचीत का सुखद रास्ता खोल दिया है। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले किंग चार्ल्स द्वितीय का कैंसर का इलाज हुआ है। इस नियोजित मुलाकात के दौरान संभवतः हैरी की पत्नी मेघन मर्केल अपने दोनों बच्चों आर्ची और लिलिबेट के साथ कैलिफोर्निया में ही रहेंगी। किंग चार्ल्स द्वितीय ने दोनों बच्चों से आखिरी बार जून 2022 में मुलाकात की थी। बताया गया है कि पिछले महीने हैरी और मेघन की नई संचार प्रमुख मेरेडिथ मेन्स ने किंग चार्ल्स द्वितीय के संचार सचिव टोबिन एंड्रिया से रॉयल ओवर-सीज लीग (आरओएसएल) में मुलाकात की थी। यह

स्थान किंग चार्ल्स द्वितीय के लंदन निवास क्लेरेंस हाउस से तीन मिनट की पैदल दूरी पर है। मई में हैरी ने कहा था कि वह 'सुलह चाहते हैं' क्योंकि उन्हें नहीं पता कि 'मेरे पिता के पास और कितना समय है'। सनद रहे 2020 में हैरी और मेघन ने कार्यकारी शाही परिवार के सदस्य के रूप में पद छोड़ा था।

क्वेटा में आईएसआई और सीटीडी के अधिकारी पांच बलोच छात्रों को घरों से उठा ले गए

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान की राजधानी क्वेटा में आधी रात एक घर पर हुई छापेमारी के दौरान कम से कम पांच बलोच छात्रों को पाकिस्तान के अधिकारी जबरिया उठा ले गए हैं। बताया गया है कि आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के अधिकारियों ने तड़के लगभग 3-30 बजे क्वेटा के एस्सा नगरी इलाके में एक घर पर छापा मारा। यहां से वह कम से कम पांच छात्रों को अगवा कर अपने साथ ले गए। द बलोचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, पाकिस्तान के अधिकारियों ने मोहम्मद यासीन (17), शबीक (18), कदीर अहमद (18), कदीर लल्ला (17) और अकरम तकसीर (16) को अगवा किया है। विवरण के अनुसार, मोहम्मद यासीन पुत्र मिस्कान, निवासी शापुक तुरबत केच, शबीक पुत्र मोहम्मद असलम, निवासी शापुक तुरबत केच, कदीर अहमद पुत्र पुलेन निवासी उमेरी खेन

सामी तुरबत केच और कदीर लल्ला पुत्र लल्ला, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच एफएससी के छात्र हैं। इनके साथ अगवा किया गया अकरम तकसीर पुत्र तकसीर अहमद, निवासी उमेरी खेन सामी तुरबत केच मैट्रिक में पढ़ता है। बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने बयान में इस घटना की पुष्टि करते हुए अगवा किए गए सभी छात्रों की तत्काल रिहाई की मांग की है। बीवाईसी ने कहा कि इससे पहले खुफिया एजेंसियों, आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) और पुलिस कर्मियों ने बुधवार रात करीब 8:00 बजे गोलिमार चौक पर संगठन के सक्रिय सदस्य नजर मरी को हिरासत में लिया। तब से उसका कुछ पता नहीं है। इसके अलावा पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर 21 अगस्त को यासीन के बेटे अजमल को अगवा कर लिया है। अवारन के झाओ इलाके से इब्राहिम के बेटे मीरान नाम को अगवा कर लिया गया है।

चीन की स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए उत्तर कोरिया के नेता किम को मिला न्योता, दक्षिण कोरिया सकते में

सियोल (दक्षिण कोरिया। चीन के फैसले से दक्षिण कोरिया का शीर्ष नेतृत्व सकते में है। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन के तीन सितंबर को बीजिंग में आयोजित होने वाली स्वतंत्रता दिवस परेड में शामिल होने की घोषणा ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग की चिंता बढ़ा दी है। उन्होंने इस परेड में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। दक्षिण कोरिया नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन-शिक जरूर सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के कई सांसदों के साथ परेड में मौजूद रहेंगे। दक्षिण कोरिया के अखबार द कोरिया हेराल्ड की खबर के अनुसार प्योंगयांग के सरकारी मीडिया और बीजिंग के अधिकारियों ने किम की भागीदारी की घोषणा की। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के 80 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में यह परेड तीन सितंबर को बीजिंग के तियानमेन चौक पर आयोजित होनी है। यदि उत्तर कोरियाई नेता की बीजिंग यात्रा संपन्न होती है तो 2011 में सत्ता संभालने के बाद से किम की यह किसी बहुपक्षीय कार्यक्रम में पहली भागीदारी होगी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार किम जोंग-उन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर जापानी आक्रमण के विरुद्ध चीनी जन प्रतिरोध युद्ध और विश्व फासीवाद-विरोधी युद्ध की विजय की 80वीं वर्षगांठ के समारोह में भाग लेने के लिए शीघ्र ही चीन का दौरा करेंगे।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने शुरू की यूएन प्रतिबंध बहाल करने की प्रक्रिया

एजेंसी

न्यूयॉर्क/लंदन/पेरिस। फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के प्रतिबंधों को फिर से लागू करने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब ईरान के खिलाफ कूटनीतिक प्रयास नाकाम साबित हो रहे हैं और उसका परमाणु कार्यक्रम लगातार आगे बढ़ रहा है। तीनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को सूचित किया कि वे 2015 के ईरान परमाणु समझौते (जेसीपीओए) के तहत मौजूद 'स्नैपबैक मैकेनिज़्म' को सक्रिय कर रहे हैं। इस प्रक्रिया के तहत 30 दिनों में प्रतिबंध दोबारा लागू हो सकते हैं, हालांकि इस अवधि में ईरान को स्थिति सुधारने का मौका मिलेगा।

विदेश मंत्रियों के संयुक्त बयान में कहा गया, आज ईरान का जेसीपीओए का उल्लंघन स्पष्ट और जानबूझकर है। उसके कई प्रमुख संवर्धन स्थलों पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी

(आईएईए) की निगरानी नहीं हो रही। उच्च संवर्धित यूरेनियम का कोई नागरिक औचित्य नहीं है।बयान में आगे कहा गया कि ईरान का कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। ब्रिटिश अधिकारियों के अनुसार, यह निर्णय हल्के में नहीं लिया गया। उन्होंने बताया कि ईरान के महत्वपूर्ण उल्लंघनों, उच्च स्तर के यूरेनियम भंडार और कूटनीतिक समझौते के लिए पर्याप्त प्रतिक्रिया की कमी के कारण यह कदम उठाना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि वे अब भी कूटनीतिक समाधान के पक्षधर हैं और इसे बातचीत का अंत नहीं मानते। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ई3 के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा, मैं ईरानी नेताओं से अपील करता हूं कि वे ऐसे कदम उठाएं जिससे उनका देश कभी परमाणु हथियार न बना सके। शांति का रास्ता अपनाएं और ईरानी जनता की समृद्धि सुनिश्चित करें। वहीं, ईरान की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया अब तक नहीं आई है। हालांकि तेहरान ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर प्रतिबंध फिर लगाए गए तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ऐसे में प्रतिबंध को लेकर उठाए जा रहे कदम क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा सकते हैं, खासकर जब मध्य पूर्व पहले ही अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है।

यूएन सुरक्षा परिषद ने लेबनान शांति मिशन को 2026 तक बढ़ाया, फिर शुरू होगा अंतिम वापसी चरण

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने लेबनान में लंबे समय से चल रहे शांति मिशन को 'अंतिम बार' बढ़ाने का फैसला किया है। अब यह मिशन 31 दिसंबर 2026 तक जारी रहेगा, जिसके बाद एक साल के भीतर इसकी क्रमबद्ध और सुरक्षित वापसी शुरू होगी। सुरक्षा परिषद ने फ्रांस द्वारा तैयार मसौदे को सर्वसम्मति से मंजूरी दी। प्रस्ताव में कहा गया है कि लेबनान सरकार के साथ परामर्श कर 2026 के अंत से एक साल के भीतर यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान (यूनीफिल - NIFIL) की वापसी की जाएगी, ताकि दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा की जिम्मेदारी केवल लेबनान सरकार के हाथ में हो। यूएन इंटरिम फोर्स इन लेबनान (ह्ढ्ढख्रढ्ढरु) की स्थापना 1978 में हुई थी। यह मिशन दक्षिणी लेबनान और इजराइल की सीमा पर निगरानी करता है। 2006 में इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच युद्ध के बाद इसके अधिकार बढ़ाए गए थे, ताकि शांति सैनिक लेबनानी सेना के साथ मिलकर हथियारबंद समूहों को रोक सकें। हालांकि, हिज्बुल्लाह के प्रभाव के कारण यह मिशन विवादों में रहा है। इजराइल के यूएन राजदूत डैनी डैनन ने कहा, 'दशकों तक यूनीफिल का विस्तार केवल भ्रम साबित हुआ है। इस मिशन ने हिज्बुल्लाह को खतरनाक क्षेत्रीय ताकत बनने दिया।' अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि यह यूनीफिल के लिए अंतिम विस्तार है। अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने कहा, 'लेबनान की सुरक्षा स्थिति में पिछले एक साल में बड़ा बदलाव आया है। अब समय है कि लेबनान अधिक जिम्मेदारी ले।'

बांग्लादेश में संसदीय चुनाव फरवरी में, आयोग दिसंबर में जारी करेगा कार्यक्रम

ढाका। बांग्लादेश चुनाव आयोग ने फरवरी में होने वाले 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव की संक्षिप्त रूपरेखा बुधवार को घोषित कर दी। आयोग के अधिकारी फिलहाल निर्वाचन क्षेत्र की सीमाओं और मतदाता सूचियों को अंतिम रूप दे रहे हैं। चुनाव आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय चुनाव अगले साल फरवरी के पहले पखवाड़े में होंगे और आधिकारिक चुनाव कार्यक्रम दिसंबर की शुरुआत में घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी नए राजनीतिक दलों का पंजीकरण होना बाकी है। चुनाव पर्यवेक्षकों की औपचारिकता पूरी करनी है। इससे पहले कल आयोग के अधिकारियों ने बताया था कि आयोग को 83 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं पर 1,760 दावे और आपत्तियां प्राप्त हुई हैं और इनकी सुनवाई शुरू हो गई है। हालांकि, परिसीमन प्रक्रिया के दौरान अभूतपूर्व स्थिति उस समय उत्पन्न हो गई, जब चुनाव आयोग का मुख्य द्वार तोड़ दिया गया।

ग्रीनलैंड में अमेरिकी प्रभाव अभियान की रिपोर्ट पर डेनमार्क ने यूएस दूत को किया तलब

एजेंसी

कोपेनहेगन। डेनमार्क सरकार ने अमेरिकी राजनयिक को तलब किया, जब देश के सार्वजनिक प्रसारक द्वारा यह रिपोर्ट सामने आई कि कुछ अमेरिकी नागरिक ग्रीनलैंड में कथित तौर पर 'प्रभाव अभियान' (influence operations) चला रहे हैं।

डेनमार्क के सार्वजनिक प्रसारक डीआर की जांच में दावा किया गया है कि कम से कम तीन अमेरिकी नागरिक, जिनके संबंध पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बताए जा रहे हैं, ग्रीनलैंड में सक्रिय रूप से अभियान चला रहे हैं। बताया गया कि इन लोगों का मकसद स्थानीय समाज में घुसपैठ कर जनमत को प्रभावित करना है, ताकि ग्रीनलैंड को अमेरिका में शामिल करने का ट्रंप का सपना आगे बढ़ सके। ग्रीनलैंड, जो अटलांटिक में स्थित एक विशाल और संसाधन-समृद्ध द्वीप है, डेनमार्क

का स्वायत्त क्षेत्र है। ट्रंप ने अतीत में कई बार यह इच्छा जताई थी कि यह द्वीप अमेरिका का हिस्सा बनना चाहिए, हालांकि डेनमार्क और ग्रीनलैंड दोनों इस विचार का विरोध करते रहे हैं।

डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा, हमें पता है कि विदेशी तत्व ग्रीनलैंड और उसके साम्राज्य में स्थान को लेकर रुचि दिखाते रहे हैं। यह आश्चर्यजनक नहीं है कि हमें भविष्य में ऐसे बाहरी प्रयासों का सामना करना पड़े। अमेरिकी विदेश विभाग ने पुष्टि की कि यूस चार्ज्ड अफेयर प्रभारी मार्क स्ट्रोह ने डेनमार्क के विदेश मंत्रालय से मुलाकात की। एक प्रवक्ता ने कहा कि बैठक सकारात्मक रही और दोनों देशों तथा ग्रीनलैंड के बीच मजबूत संबंधों की फिर से पुष्टि की गई। हालांकि प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि अमेरिकी सरकार को निजी नागरिकों की कार्रवाइयों पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है।

उन्होंने कहा, अमेरिकी सरकार निजी नागरिकों के कार्यों को नियंत्रित नहीं करती। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और विदेश मंत्री ने साफ कर दिया है कि अमेरिका ग्रीनलैंड की जनता के अपने भविष्य तय करने के अधिकार का सम्मान करता है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में सुरक्षा बलों पर हमला, सूबेदार समेत कई जवान मारे गए

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) । बलोचिस्तान के पंजगुर और कच्छी जिलों में एक सशस्त्र समूह ने पाकिस्तान के सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर बम विस्फोट किए गए। हमलों में एक सूबेदार समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए। अभी तक किसी ने भी हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। ना ही पाकिस्तान के अधिकारियों ने दोनों जिलों के हमले के संबंध में कोई बयान जारी किया है।

द बलोचिस्तान पोस्ट की आज की खबर में कहा गया है कि कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के एक बम निरोधक दस्ते पर रेलवे ट्रैक साफ करते समय एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से हमला हुआ। उसी इलाके में एक और हमले में कथित तौर पर एक सुरक्षा वाहन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा पंजगुर जिले के पारोम इलाके में एक चौकी से रवाना हो रहे सुरक्षा बलों के एक वाहन को निशाना बनाकर आईईडी विस्फोट किया गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में सूबेदार अब्दुल रज्जाक समेत कई सुरक्षाकर्मी मारे गए।इसके अलावा क्वेटा में हथियारबंद लोगों ने मियां घुंडी इलाके में पुलिसकर्मियों को बंधक बनाकर उनके हथियार छीन लिए। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इसके बाद पुलिस वालों

को छोड़ दिया गया। पाकिस्तानी अधिकारियों ने अभी तक हमलों के बारे में कोई बयान जारी नहीं किया है, और किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

इमरान के भतीजे शेर शाह खान को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। लाहौर की एक आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान के भतीजे शेर शाह खान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने जांच अधिकारी की हिरासत अवधि बढ़ाने के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार जांच अधिकारी मोहम्मद अशरफ जावेद ने 23 अगस्त को दी गई पांच दिन की रिमांड 30 दिन और बढ़ाने की मांग की। जांच अधिकारी ने दलील दी कि शाह का मोबाइल फोन और घटना के समय कथित तौर पर इस्तेमाल किया गया एक मास्क बरामद करना है। साथ ही उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी भी हासिल करनी है। इस पर अदालत ने कहा कि पर्याप्त जांच पहले ही की जा चुकी है और तकनीक और डिजिटल उपकरणों के वर्तमान युग में सोशल मीडिया अकाउंट्स का पता लगाने के लिए अभियुक्त की और हिरासत की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद अदालत ने हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग खारिज करके शाह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अदालत ने जांच अधिकारी को निर्धारित अवधि के भीतर चालान पेश करने का निर्देश दिया। इमरान की बहन अलीमा खान के बेटे शाह को 11 सितंबर को फिर से अदालत में पेश किया जाएगा।

जापान के टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह से प्रधानमंत्री मोदी प्रभावित, कहा-यह यात्रा दोनों देशों के बीच सहयोग की नई संभावना को देगी आकार

एजेंसी

टोक्यो (जापान)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी जापान की दो दिवसीय यात्रा के तहत राजधानी टोक्यो पहुंच चुके हैं। टोक्यो में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने उनसे मुलाकात की है। प्रधानमंत्री मोदी ने अब से कोई दो घंटे पहले इस मुलाकात के फोटो और विवरण को अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'टोक्यो में भारतीय समुदाय के स्नेह ने मुझे बहुत प्रभावित किया। यह सचमुच प्रशंसनीय है कि कैसे वे जापानी समाज में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए हमारी सांस्कृतिक जड़ों को संरक्षित रखते हैं।अगले कुछ घंटों में मैं भारत और जापान के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत करूंगा। '

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान की राजधानी पहुंचने के बाद एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा,'मैं टोक्यो पहुंच गया हूं। भारत और जापान विकास सहयोग को और मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह यात्रा प्रधानमंत्री इशिबा और अन्य लोगों के साथ विचारों के आदान-प्रदान, हमारी मौजूदा साझेदारी को और मजबूत करने और सहयोग की नई संभावनाओं को तलाशने का अवसर प्रदान करेगी।

भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ काम करेगा

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान यात्रा शुरू करने से पहले योमिउरी शिंबुन समाचार पत्र को दिए लिखित साक्षात्कार में कहा कि भारत रक्षा के क्षेत्र में जापान के साथ और अधिक निकटता से काम करेगा। द जापान न्यूज के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सुरक्षा सहयोग पर जापान-भारत संयुक्त घोषणापत्र, जिसे उनकी यात्रा के दौरान संशोधित किया जाना है, आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और स्थिर हिंद-प्रशांत क्षेत्र को आकार देने की हमारी महत्वाकांक्षा को आगे बढ़ाएगा।

संयुक्त घोषणापत्र का संशोधित मसौदा (जिस पर मूल रूप से 2008 में हस्ताक्षर किए गए थे) आर्थिक सुरक्षा और रक्षा उद्योग में सहयोग जैसे नए क्षेत्रों को शामिल करता है। जापान और भारत ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और मोदी के बीच होने वाली बैठक के दौरान संशोधित दस्तावेज के आदान-प्रदान करने की योजना बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में सहयोग भारत और जापान के लिए एक मजबूत सफलता की कहानी रहा है। उन्होंने लिखा, रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जापान का एक सिद्ध रिकॉर्ड है। राजनीतिक विश्वास और सहयोग के साथ हम न केवल अपने बल्कि दुनिया के लिए भी अगली पीढ़ी के रक्षा प्लेटफॉर्म डिजाइन और उत्पादन कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, भारत के पैमाने और क्षमताओं को जापान की उन्नत तकनीकों के साथ जोड़कर हम एक लचीली और विश्वसनीय सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला का निर्माण कर सकते हैं। इस क्षेत्र में सहयोग भारत-जापान साझेदारी का एक प्रमुख स्तंभ बनेगा। साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में एक हाई-स्पीड रेल परियोजना का भी वर्णन किया। यह परियोजना जापान की शिंकानसेन प्रणाली को अपनाएगी। उन्होंने कहा कि यह रेल परियोजना वाणिज्यिक केंद्र मुंबई और औद्योगिक शहर अहमदाबाद को जोड़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है। वह है-देश में 7,000 किलोमीटर हाई-स्पीड रेल नेटवर्क उपलब्ध कराना। मैं इस प्रयास में जापानी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी का स्वागत करता हूं। योमिउरी शिंबुन की खबर के अनुसार, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी 29 अगस्त की सुबह जापान पहुंचे। आज दोपहर वे जापान के प्रधानमंत्री आवास पर प्रधानमंत्री इशिबा से मुलाकात करेंगे। दोनों नेता जापान और भारत के बीच सुरक्षा सहयोग और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने पर केंद्रित एक संयुक्त वक्तव्य जारी करेंगे। मई 2023 के बाद यह मोदी की पहली जापान यात्रा है।

पहले दिन ही मंगल इलेक्ट्रिकल का कमजोर प्रदर्शन, स्टॉक मार्केट में निराश हुए निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रांसफॉर्मर बनाने वाली कंपनी मंगल इलेक्ट्रिकल के शेयरों ने झ स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 561 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 558 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 556 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को नुकसान का सामना करना पड़ा। हालांकि लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 565 रुपये के स्तर तक भी पहुंचे, लेकिन बाद में बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इसके भाव में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद मंगल इलेक्ट्रिकल के शेयर 533.95 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.82 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मंगल इलेक्ट्रिकल का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 20 से 22 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 9.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 11.09 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

शेयर बाजार पर अमेरिकी टैरिफ का कहर, लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए गए 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ का असर आज लगातार दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में नजर आया। शेयर बाजार आज एक बार फिर बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में तेज गिरावट आई, लेकिन पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार की चाल में सुधार होने लगा। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद एक बार फिर बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.87 प्रतिशत और निफ्टी 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, एफएमसीजी, टेलीकम्युनिकेशन और रियल्टी सेक्टर में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही।

भारत-कतर ने व्यापार और निवेश संबंध के विस्तार पर की चर्चा

नई दिल्ली। भारत और कतर ने प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक में आर्थिक सहयोग के साथ-साथ कारोबार के अवसरों के विस्तार तथा उभरते क्षेत्र के निवेशों को प्रोत्साहित करने के विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। नई दिल्ली में हुई इस बैठक में भारतीय दल का नेतृत्व केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और कतर के दल का नेतृत्व वहां के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद ने किया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि इस ऐतिहासिक द्विपक्षीय बैठक में भारत और कतर के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खोलने पर गहन बातचीत की गई। चौधरी ने कहा कि कतर के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक में भारत और कतर के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खोलने के उद्देश्य से गहन चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इस बैठक में द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मज़बूत करने, व्यावसायिक अवसरों का विस्तार करने और उभरते क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। चौधरी ने कहा कि प्रतिनिधि मंडल की व्यापक भागीदारी और विचारशील संवाद ने ये स्पष्ट कर दिया कि भारत और कतर भविष्य की साझेदारियों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

पीएमजेडीवाई के 11 साल पूरे, 56 करोड़ से अधिक खाते खुले, जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। देश में वित्तीय समावेशन के राष्ट्रीय मिशन के रूप में शुरू की गई प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) ने अपने 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान 56 करोड़ से ज़्यादा जन-धन खाते खोले गए, जिसमें कुल 2.68 लाख करोड़ रुपये की राशि जमा है। दुनिया की सबसे बड़ी वित्तीय समावेशन पहल के रूप में पीएमजेडीवाई लाखों वंचित नागरिकों के लिए बैंकिंग तक पहुंच को नए सिरे से परिभाषित कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथों 28 अगस्त, 2014 को शुरू की गई पीएमजेडीवाई योजना ने देशभर में बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का विस्तार किया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने आधिकारिक आंकड़ों के जरिये बताया कि लगभग 67 फीसदी खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं, जबकि 56 फीसदी महिलाओं के नाम हैं। इस पहल से दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में शामिल होने में मदद मिली है।

भारत में औद्योगिक विकास दर जुलाई में चार महीनों के उच्चतम स्तर 3.5 प्रतिशत पर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) पर आधारित औद्योगिक विकास दर जुलाई में चार महीनों के उच्चतम स्तर 3.5 प्रतिशत पर रही है। इसकी वजह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का मजबूत प्रदर्शन करना था। यह जानकारी सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा दी गई। इससे पहले देश में औद्योगिक विकास दर जून में 1.5 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के मुताबिक कि मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र ने सालाना आधार पर जुलाई में 5.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की है।मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र ही देश के विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग संस्थानों से निकलने वाले युवा स्नातकों को गुणवत्तापूर्ण रोजगार प्रदान करता है। जुलाई में बिजली उत्पादन में मामूली 0.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हालांकि, खनन क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गई और भारी मानसूनी बारिश के कारण उत्पादन में (-) 7.2 प्रतिशत की कमी आई है।

मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में 23 उद्योग समूहों में से 14 ने पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में जुलाई में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। जुलाई में मैन्युफैक्चर ऑफ बेसिक मेटल उद्योग समूह में 12.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें स्टील प्रोडक्ट्स को शामिल किया जाता है। मैन्युफैक्चर ऑफ इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट उद्योग समूह में 15.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इसमें स्विचगियर, सर्किट ब्रेकर्स, कंट्रोल पैनल और ट्रांसफॉरमर शामिल किए जाते हैं। वहीं, मैन्युफैक्चर ऑफ अदर नॉनमिटेलिक मिनरल प्रोडक्ट्स उद्योग समूह में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, इसमें सीमेंट आदि आता है।उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आंकड़े दर्शाते हैं कि पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन जुलाई में 5 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि के साथ बढ़ा। इसमें कारखानों में उपयोग होने वाली मशीनें शामिल हैं। यह क्षेत्र अर्थव्यवस्था में हो रहे वास्तविक निवेश को दर्शाता है, जिसका भविष्य में रोजगार सृजन और आय पर गुणात्मक प्रभाव पड़ता है। रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर और टीवी सेट जैसी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स गुड्स का उत्पादन इस महीने 7.7 प्रतिशत बढ़ा, जो आय में वृद्धि के साथ इन उत्पादों की मांग में वृद्धि को दर्शाता है। राजमार्गों, रेलवे और बंदरगाहों में लागू की जा रही बड़ी सरकारी परियोजनाओं के कारण इन्फ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र में 11.9 प्रतिशत की दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।

डॉलर की तुलना में 7 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने और डॉलर इंडेक्स के कमजोर पड़ने के कारण आज भारतीय मुद्रा डॉलर पर भारी पड़ती हुई नजर आई। हालांकि, स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण मुद्रा बाजार में रुपये पर दबाव की स्थिति भी बनी रही, इसके बावजूद रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूत होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 7 पैसे उछल कर 87.62 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय मुद्रा 87.69 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 17 पैसे की बढ़त के साथ 87.52 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद डॉलर इंडेक्स की कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट के कारण रुपया मजबूत होकर 87.51 के स्तर तक पहुंचा। हालांकि, रुपये की ये मजबूती अधिक देर तक टिक नहीं सकी। स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की बिकवाली और डॉलर की निकासी करने के कारण मुद्रा बाजार में रुपये पर दबाव बढ़ता चला गया। डॉलर की निकासी का दबाव बढ़ने पर रुपया ओपनिंग लेवल से 16 पैसे टूट कर 87.68 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में सुधार होता हुआ नजर आने लगा, जिसकी वजह से पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 7 पैसे की उछाल के साथ 87.62 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

कैट ने अमेरिकी टैरिफ को वैश्विक बाजारों की खोज का बताया अवसर

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के ट्रंप सरकार की ओर से भारत पर हाल ही में लगाए गए भारी भरकम टैरिफ को कारोबारियों की संस्था कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने झटका नहीं, बल्कि एक नया अवसर करार दिया है। कैट ने कहा कि? भारत का व्यापारी एवं उद्योग जगत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर कदम के समर्थन में मजबूती से खड़ा है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी. सी. भरतिया ने कहा कि व्यापार करने के लिए अमेरिका ही एकमात्र जगह नहीं है। पूरी दुनिया भारतीय व्यापारियों के लिए खुली है। वहीं, सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह संकट का नहीं बल्कि अपना दायरा बढ़ाने का अवसर है। दोनों कारोबारी नेताओं ने कहा कि हम इसे एक वरदान के रूप में देखते हैं। भरतिया ने कहा, व्यापार करने के लिए अमेरिका ही एकमात्र गंतव्य नहीं है, बल्कि वैश्विक व्यापार परिदृश्य बहुत व्यापक है। उन्होंने कहा कि यूके, यूरोपीय बाजार, दक्षिण अफ्रीका, आसियान देश, लैटिन अमेरिका, यूएई आदि में भारत के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। भारतीय व्यापारी चुनौतियों से डरते नहीं हैं, हर नई परिस्थिति एक नया अवसर लेकर आती है। हम इसे एक ऐसे मोड़ के रूप में देख रहे हैं, जो हमारे व्यापारिक दायरे को और विस्तृत करेगा। उन्होंने कहा, भारतीय व्यापारी इस चुनौती को ऐतिहासिक अवसर में बदलने के लिए प्रतिबद्ध हैं और भारत की भूमिका को वैश्विक व्यापार शक्ति के रूप में और अधिक मज़बूत करेंगे। वहीं, सांसद एवं कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा, इतिहास गवाह है कि व्यापार भारत की रगों में है। सिंधु घाटी सभ्यता के युग से ही भारत वैश्विक वाणिज्य का केंद्र रहा है। उन?होंने आगे कहा कि कोई भी अवरोध भारतीय व्यापारियों को व्यापार करने से रोक नहीं सकता। यह कोई संकट नहीं, बल्कि अपने क्षितिज को फैलाने का अवसर है। यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, मध्य पूर्व और अन्य क्षेत्र विशाल संभावनाएं रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय व्यापारी हर बार मज़बूत होकर लौटे हैं–चाहे वह कोविड-19 हो, आर्थिक मंदी हो या प्राकृतिक आपदाएं। यह भी सिर्फ़ एक सीढ़ी है। खंडेलवाल ने कहा कि भारत के 9 करोड़ व्यापारियों की दृढ़ता और उद्यमशीलता की भावना ने हमेशा देश की घरेलू अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाए रखा है। देश के जीडीपी एवं रोजगार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा, ÷आज भारतीय व्यापारी अपनी रणनीतियों को नया रूप देने, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मज़बूत करने और डिजिटल प्लेटफॉर्म को अपनाकर नए बाजारों में प्रवेश करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों के तहत भारत एक विश्वसनीय वैश्विक भागीदार के रूप में उभर रहा है। दुनिया भारत से भरोसेमंद व्यापारिक रिश्तों की अपेक्षा रखती है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने अमेरिकी टैरिफ से निपटने के लिए सरकार के पूर्ण समर्थन का दिया आश्वासनः फियो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि सरकार इस चुनौतीपूर्ण समय में उनके साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी चिंताओं का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही उच्च अमेरिकी टैरिफ के बीच उनके हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने जारी एक बयान में कहा कि यह आश्वासन फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल को दिया गया। एस सी रल्हन के नेतृत्व में फियो के एक प्रतिनिधिमंडल ने वित्त मंत्री सीतारमण से नई दि?ली में मुलाकात की और हाल ही में अमेरिकी टैरिफ में की गई वृद्धि के कारण भारतीय निर्यातकों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने वित्त मंत्री से मुलाकात के दौरान बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धा और रोजगार पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव पर जोर दिया और निर्यातक समुदाय की सहायता के लिए त्वरित नीतिगत

उपाय करने का आग्रह किया। वित्त मंत्री ने आश्वस्त किया कि सरकार इन निर्यातकों के साथ मजबूती से खड़ी है और व्यापारिक हितों की रक्षा और श्रमिकों की आजीविका की रक्षा के लिए व्यापक समर्थन का वचन देती है। रल्हन ने कहा कि मंत्री का आश्वासन निर्यातकों के लिए आत्मविश्वास का एक बड़ा स्रोत है। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि फियो बाजारों में विविधता लाने और भारत की वैश्विक व्यापार स्थिति को मजबूत करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम करेगा।

सीतारमण से मुलाकात के दौरान फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन, उपाध्यक्ष रविकांत कपूर, फियो के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डॉ अजय सहाय, फरीदा समूह के निदेशक इसरार अहमद और भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के अध्यक्ष पंकज चड्ढा शामिल थे।

सोने का दाम 1.01 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार, चांदी ऑल-टाइम हाई पर

एजेंसी

नई दिल्ली । सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी गई। सोने का दाम 1.01 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमत 1.17 लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंच गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा शाम को जारी की गई कीमतों के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत 622 रुपए बढ़कर 1,01,506 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि बीते बुधवार को 1,00,884 रुपए प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई थी। 22 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत बढ़कर 92,980 रुपए हो गई है, जो कि पहले 92,410 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम बढ़कर 76,130 रुपए हो गया है, जो कि पहले 75,663 रुपए प्रति 10 ग्राम था। आईबीजेए की ओर से सोने और चांदी की कीमतों को दिन में दो बार सुबह और शाम अपडेट किया जाता है। चांदी की कीमत 1,240 रुपए बढ़कर ऑल-

टाइम हाई 1,17,110 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है, जो कि पहले 1,15,870 रुपए प्रति किलो थी। वायदा बाजार में भी सोने और चांदी की कीमत में मजबूती दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के 3 अक्टूबर 2025 के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,17,175 रुपए थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमत में मजबूती देखी गई है। कॉमैक्स पर सोना करीब 0.23 प्रतिशत बढ़कर 3,456 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.12 प्रतिशत बढ़कर 39.14 डॉलर प्रति औंस पर थी। एलकेपी सिक्योरिटीज के जतिन त्रिवेदी ने कहा कि सोने की कीमत एक सीमित दायरे में बनी हुई है। निवेशकों का ध्यान अब अगले हफ्ते पर शिफ्ट हो गया है, जब अमेरिका में बेरोजगारी और नॉन-फार्म पेरोल का डेटा जारी किया जाएगा। साथ ही, इस दौरान फेड ब्याज दरों में कटौती कर सकता है, जिससे सोने की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा। 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 25,344 रुपए या 33.27 प्रतिशत बढ़कर 1,01,506 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 31,093 रुपए या 36.14 प्रतिशत बढ़कर 1,17,110 रुपए पर पहुंच गया है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। कतर के विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मुलाकात में सीतारमण ने पिछले दशक में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए भारत के परिवर्तनकारी कदमों का उल्लेख किया। दोनों मंत्रियों ने भारत और कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। कतर के प्रतिनिधिमंडल ने भारत के आर्थिक विकास और तकनीकी विकास को देखते हुए भारत में निवेश के अच्छे अवसर उपलब्ध होने की उम्मीद जताई।

छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार : मुख्यमंत्री साय

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन और निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी प्रो-एक्टिव एवं विकासोन्मुख औद्योगिक नीति 2024-30, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और प्रशिक्षित जनशक्ति के बल पर वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में जल, ऊर्जा, लौह अयस्क व स्टील और बेहतरीन कनेक्टिविटी उपलब्ध है। ये संसाधन दक्षिण कोरियाई निवेशकों

के लिए अवसरों के नए द्वार खोलते हैं। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार सिंगल-विंडो क्लीयरेंस, व्यवसाय सुगमता और उद्योग-अनुकूल नीतियों के माध्यम से प्रत्येक निवेशक को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज खनिज, ऊर्जा, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आईटी-स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निवेश का स्वागत कर रहा है। उन्होंने ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल केवल औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को रोजगार, महिलाओं को स्वावलंबन और किसानों को उपज का बेहतर मूल्य दिलाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण भी हमारी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने भारत के राजदूत अमित कुमार से भारतीय दूतावास सियोल में मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में निवेश संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने स्टील और खनिज से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स व फूड प्रोसेसिंग तक, मजबूत द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया है। साय ने दक्षिण कोरिया और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक एवं कारोबारी रिश्तों को रेखांकित करते हुए कहा कि इन साझेदारियों से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, अनुसंधान एवं नवाचार और उच्च मूल्य रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे। उन्होंने कोरियाई निवेशकों से आग्रह किया कि वे छत्तीसगढ़ को अपने नए औद्योगिक निवेश स्थल के रूप में चुनें और साझा समृद्धि की इस यात्रा का हिस्सा बनें।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने केन्द्र सरकार से तिरुपुर कपड़ा उद्योग को राहत देने की मांग की

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए तिरुपुर कपड़ा उद्योग को राहत प्रदान करने की मांग की है। स्टालिन ने कहा है कि टैरिफ में बढ़ोतरी से तमिलनाडु के निर्यात पर गहरा असर पड़ा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यूएस टैरिफ में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी से तमिलनाडु के निर्यात पर, विशेष रूप से तिरुपुर के कपड़ा केंद्र पर भारी असर पड़ा है। इससे लगभग 3,000 करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित हुआ है और हजारों नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। उन्होंने मांग करते हुए लिखा कि मैं हमारे उद्योगों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल राहत और संरचनात्मक सुधारों के लिए केंद्र सरकार से अपनी मांग

दोहराता हूं। इससे कुछ दिन पहले स्टालिन ने कहा था कि अमेरिकी टैरिफ 25 प्रतिशत से बढ़कर संभावित रूप से 50 प्रतिशत हो जाने से, तमिलनाडु पर ज्यादातर राज्यों की तुलना में ज़्यादा असर पड़ेगा क्योंकि हमारे निर्यात अमेरिकी बाजार से गहराई से जुड़े हुए हैं। कपड़ा, चमड़ा, ऑटो, मशीनरी और अन्य क्षेत्रों में लाखों नौकरियां खतरे में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मानव निर्मित रेशों पर 5 प्रतिशत जीएसटी निर्धारित करने, कपास के आयात पर शुल्क हटाने, स्थगन के साथ आसान कम ब्याज वाले ऋण उपलब्ध कराने तथा निर्यात प्रोत्साहन और ऋण बढ़ाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व्यापार संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करेगी।

सरकार ने कपास पर आयात शुल्क छूट की अवधि 3 महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक की

नई दिल्ली। ट्रंप प्रशासन की ओर से भारतीय आयात पर लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ के बीच केंद्र सरकार ने कपास के शुल्क मुक्त आयात की अवधि तीन महीने के लिए बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी है। इससे पहले 18 अगस्त को वित्त मंत्रालय ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक कपास आयात पर शुल्क छूट की अनुमति दी थी। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि निर्यातकों को और अधिक समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार ने कपास (एचएस 5201) पर आयात शुल्क छूट 30 सितंबर से 31 दिसंबर तक बढ़ाने का फैसला लिया है। इस संदर्भ में अधिसूचना जारी की जाएगी। सरकार के इस कदम का मकसद अमेरिका के कुल 50 फीसदी उच्च शुल्क का सामना कर रहे कपड़ा निर्यातकों को समर्थन प्रदान करना है। मंत्रालय के मुताबिक इसमें पांच फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) और पांच फीसदी कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर (एआईडीसी) से छूट के साथ दोनों पर 10 फीसदी सामाजिक कल्याण अधिभार छूट शामिल है, जिससे कपास पर कुल आयात शुल्क 11 फीसदी बैठता है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक इस कदम से उत्पादन लागत कम करके तथा कपड़ा क्षेत्र में लघु एवं मझोले उद्यमों (एसएमई) को संरक्षण देकर भारतीय कपड़ा उत्पादों की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा मिलेगा।

जन धन योजना ने लोगों को दिया अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना के 11 साल पूरे होने के मौके पर कहा कि इसने अंतिम पायदान पर खड़े लोगों को भी वित्तीय तंत्र से जोड़ा और उन्हें अपनी किस्मत खुद संवारने का मौका दिया।

प्रधानमंत्री जन धन योजना की शुरुआत 28 अगस्त 2014 को हुई थी। इस अवसर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी आधिकारिक पोस्टों पर प्रतिक्रिया देते हुये श्री मोदी ने लिखा, जब अंतिम छोर पर मौजूद लोग वित्तीय तंत्र से जुड़ते हैं तो पूरा देश एक साथ तरक्की करता है। पीएम जन धन योजना की यही उपलब्धि रही है। इसने लोगों को आत्मसम्मान दिलाया और उन्हें अपनी किस्मत खुद लिखने की ताकत दी। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जन धन योजना के तहत अब तक 56.21 करोड़ बैंक खाते खोले गये हैं जिनमें कुल 2,65,503 करोड़ रुपये की राशि जमा है। जन धन खाताधारकों को 38 करोड़ से ज्यादा निःशुल्क रुपे कार्ड जारी किये गये हैं जिससे डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा मिला है। वहीं, 13.55 लाख बैंक मित्र लोगों को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं जिनके लिए पहले बैंक जाना होता था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस मौके पर अपने संदेश में कहा कि वित्तीय समावेशन, आर्थिक वृद्धि और विकास का एक प्रमुख चालक है। बैंक खातों तक सार्वभौमिक पहुंच गरीबों और वंचित वर्ग के लोगों को औपचारिक अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने और इसके अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि बैंक खाते खुलने के बाद प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के जरिये लोगों को कई तरह की सुविधाएं प्रदान की गई। ये खाते ऋण सुविधाएं, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने और बचत एवं निवेश बढ़ाने के प्रमुख माध्यमों में से एक रहे हैं। उन्होंने बताया कि 67 प्रतिशत जन धन खाते ग्रामीण या अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, और 56 प्रतिशत खाते महिलाओं द्वारा खोले गए हैं, जो दिखाता है कि देश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय तंत्र से जोड़ा गया है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि जन धन योजना न केवल देश में, बल्कि पूरी दुनिया में सबसे सफल वित्तीय समावेशन पहलों में से एक रही है। निरंतर प्रयासों से हम बैंक खातों में लगभग पूर्णता प्राप्त कर चुके हैं और देश भर में बीमा और पेंशन कवरेज में निरंतर वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने एक अभियान शुरू किया है जिसके तहत देश की 2.7 लाख ग्राम पंचायतों में से प्रत्येक में कम से कम एक शिविर आयोजित कर उन पात्र व्यक्तियों की पहचान की जायेगी जो बैंकिंग सुविधा से वंचित हैं और जिनके जन धन खाते खुल सकते हैं। इस अभियान का समापन 30 सितंबर को होगा। जन धन योजना की खास बात यह है कि इसे खोलते समय कोई पैसा जमा करना जरूरी नहीं होता और न ही कोई न्यूनतम मासिक राशि रखनी होती है। प्रत्येक खाते के साथ एक निःशुल्क रुपे डेबिट कार्ड आता है, जो 2 लाख रुपये का दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करता है, जिससे डिजिटल लेनदेन और वित्तीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है। खाता धारक 10,000 रुपये तक की ओवरड्राफ्ट सुविधा के भी पात्र हैं, जो आपात स्थिति में सुरक्षा प्रदान करती है। पूरी तरह से केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) अनुपालन वाले जन धन खातों में शेष राशि या लेनदेन की राशि की कोई सीमा नहीं है। एक महीने में कम से कम चार बार निःशुल्क निकासी की अनुमति है, जिसमें मेट्रो एटीएम सहित किसी भी एटीएम से निकासी शामिल है।

800 करोड़ी 'स्त्री 2' वाली

श्रद्धा कपूर

की ये फिल्म 25 करोड़ भी नहीं कमा सकी, हुई थी FLOP

श्रद्धा कपूर ने अपने पिता और मशहूर अभिनेता शक्ति कपूर की राह पर चलते हुए बॉलीवुड में ही करियर बनाया और पिता की तरह ही नाम कमाने में कामयाब हुईं. 38 साल की हो चुकीं श्रद्धा 15 सालों से बॉलीवुड में काम कर रही हैं. डेढ़ दशक के करियर में उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में दीं और उनकी कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर पिटी भी. आज हम आपको श्रद्धा की एक ऐसी पिक्चर के बारे में बता रहे हैं जो अपना बजट तक नहीं वसूल पाई थी.

3 मार्च 1987 को शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरी के घर जन्मीं श्रद्धा कपूर ने 23 साल की उम्र में अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी. साल 2010 में फिल्म 'तीन पत्ती' से डेब्यू करने वाली श्रद्धा की साल 2017 में आई एक फिल्म का बॉक्स ऑफिस पर बहुत बुरा हाल हुआ था. 'बॉलीवुड की स्त्री' की ये पिक्चर सिनेमाघरों में पाई-पाई के लिए मोहताज हो गई थी.

श्रद्धा ने आदित्य संग किया था काम

श्रद्धा कपूर को बॉलीवुड में पहली बड़ी और खास पहचान फिल्म 'आशिकी 2 से मिली थी. 2013 की इस फिल्म में उनके अपोजिट आदित्य रॉय कपूर ने लीड रोल प्ले किया था. ये आदित्य की भी पहली बड़ी हिट थी. दोनों इस फिल्म से स्टार बन गए थे. हालांकि चार साल बाद जब ये जोड़ी साल 2017 में 'ओके जानू' में नजर आई तो बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हो गई थी.

बजट भी नहीं वसूल सकी फिल्म

ओके जानू 13 जनवरी 2017 को रिलीज हुई थी. इसका डायरेक्शन किया था शाद अली ने. फिल्म में श्रद्धा तारा जबकि आदित्य ने आदित्य नाम का ही किरदार निभाया था. ओके जानू का हिस्सा नसीरुद्दीन शाह, लीला सैमसन, शर्मा विभूति, कीटु गिडवानी, जसमती सिंह भाटिया और विजयंत कोहली भी थे. फिल्म को मेकर्स ने 27 करोड़ रुपये के बजट में बनाया था. लेकिन, ये भारतीय बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 23.65 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर पाई थी.

'स्त्री 2' ने कमाए थे 800 करोड़ रुपये से ज्यादा

श्रद्धा कपूर ने साल 2024 में फिल्म 'स्त्री 2' से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था. पिछले साल अगस्त में रिलीज हुई इस पिक्चर ने वर्ल्डवाइड 857 करोड़ रुपये कमाए थे और ये ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. वहीं भारत में पिक्चर की कमाई करीब 600 करोड़ रुपये हुई थी.

सेट पर चुपचाप रहती थीं हेमा मालिनी, हीरो समझते थे घमंडी, एक्ट्रेस बोलीं- ये सच नहीं

बॉलीवुड की दिग्गज अदाकारा और भारतीय जनता पार्टी की लोकसभा सांसद हेमा मालिनी ने बड़े पर्दे पर कई ऐसे किरदार अदा किए हैं जो आज दशकों बाद भी लोग देखना पसंद करते हैं. आइकॉनिक फिल्म 'शोले' में बसंती का किरदार हो या फिर 'सीता और गीता' के किरदार. इन किरदारों के जरिए अभिनेत्री ने अपनी एक्टिंग से फैंस का दिल जीत लिया था. उन्होंने अब अपने इन किरदारों पर बात की है. साथ ही बताया कि उनके कई हीरो उन्हें घमंडी समझते थे. हेमा ने सालों बाद खुद को लेकर एक बड़ा राज भी खोल दिया.बॉलीवुड में 'ड्रीम गर्ल' के रूप में पहचान रखने वाली हेमा मालिनी ने हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट से बातचीत के दौरान अपने उन दिनों को याद किया जब वो बतौर लीड एक्ट्रेस बॉलीवुड में एक्टिव थीं. उन्होंने बताया कि उन्हें घमंडी समझा जाता था, लेकिन ये सच नहीं है. बल्कि वो शर्मीली होने के चलते चुप रहना पसंद करती थीं.

'मेरे कई हीरो मुझे घमंडी समझते थे, लेकिन...'

हेमा मालिनी ने बताया कि असल में वो सच में बहुत संकोच करने वाली महिला हैं. एक्ट्रेस ने कहा, जब मैं छोटी थी, तो बहुत चुप रहती थी. सेट पर कम ही बोलती थी. मेरे कई हीरो मुझे घमंडी समझते थे, लेकिन सच तो ये है कि मैं बस शर्मीली थी. बेवजह क्यों बोलूं? इसलिए मुझे चुप रहना पसंद था.

बसंती का किरदार बताया सबसे बातूनी

हेमा ने शोले में निभाए गए अपने बसंती के किरदार पर भी खुलकर बात की. इसमें वो एक निडर, ज्यादा बोलने वाली और एक बिंदास महिला के रूप में नजर आई थीं. उनसे सवाल किया गया था, क्या बसंती अब तक का आपका सबसे बातूनी किरदार है? इस पर अभिनेत्री ने हंसते हुए जवाब देते हुए कहा, मुझे लगता है कि वो हमारे सिनेमा में अब तक लिखा गया सबसे बातूनी किरदार है. कितना बोलती है. वो अजेय है.

शोले के दौरान हेमा को था ये डर

हेमा असल जिंदगी में कम बात करना पसंद करती हैं और शोले का किरदार बंसती ज्यादा बातूनी था तो इसलिए एक्ट्रेस को एक डर भी था. उन्होंने कहा, मेरी सबसे बड़ी चिंता यही थी कि बसंती कहीं परेशान न करने लगे.

उसने रिप्लाई करना बंद... सुशांत सिंह राजपूत के साथ निशांची बनाना चाहते थे अनुराग कश्यप, कहां अटक गई बात?

अनुराग कश्यप की फिल्म निशांची सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है. इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच काफी बज़ बना हुआ है. फिल्म की खास बात ये है कि इसकी अनाउंसमेंट अनुराग कश्यप ने 9 साल पहले ही कर ली थी. साथ ही वे इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत को लेना चाहते थे. अब डायरेक्टर ने कहा है कि आखिर उनका ये प्लान क्यों सफल नहीं हो सका.

बॉलीवुड डायरेक्टर अनुराग कश्यप की फिल्म निशांची सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार हो चुकी है. फिल्म के टीजर को फैंस का काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. अब इस फिल्म को लेकर डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने नया खुलासा किया है. डायरेक्टर ने बताया है कि पहले वे इस फिल्म को सुशांत सिंह राजपूत के साथ बनाना चाहते थे. लेकिन ऐसा हो नहीं सका. बहुत सारे एक्टर्स को उनकी इस फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई थी लेकिन इसके बाद भी फिल्म अनाउंसमेंट के 9 साल बाद सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है. आइये जानते हैं कि इस मौके पर अनुराग कश्यप ने क्या खुलासा किया है.

सुशांत को लेकर निशांची बनाना चाहते थे अनुराग कश्यप

अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर खास बातचीत के दौरान कहा- ये एक ऐसी फिल्म थी जो मैं एक समय पर सुशांत सिंह राजपूत के साथ मिलकर बनाना चाहता था. लेकिन इसके बाद उन्हें दिल बेचारा और ड्राइव नाम की बड़ी फिल्म मिल गई जो धर्मा प्रोडक्शन्स के बैनर तले बन रही थी. इसके बाद मेरी फिल्म प्रॉयरिटी पर नहीं रही. मेरा भी मन पीछे हटा, और सुशांत ने भी जवाब देना बंद कर दिया. इसके बाद मैं आगे बढ़ गया. मैंने साल 2016 में उन्हें लेकर ये फिल्म अनाउंस की थी.

डायरेक्टर-एक्टर ने आगे कहा- कई सारे एक्टर्स ने निशांची फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी थी और इसे कई सारे कलाकारों ने पसंद भी किया था. इस फिल्म को लेकर कई सारे कलाकार इंटरेस्टेड थे और लेकिन फिल्म को लेकर किसी के साथ भी बात बन नहीं सकी.

कब रिलीज हो रही है निशांची ?

निशांची फिल्म की बात करें तो इसकी रिलीज डेट 19 सितंबर 2025 रखी गई है. फिल्म की कहानी जुड़वा भाइयों पर बनी है जो स्वभाव से एकदम अलग हैं. फिल्म में प्यार, भाईचारा और बदला दिखाया जाएगा. फिल्म इंसान के अलग-अलग स्वभाव और उसके प्रभाव से डील करती नजर आएगी. फिल्म में विनीत कुमार सिंह, कुमुद मिश्रा, मोहम्मद जीशान अय्यूब समेत कई सारे कलाकार नजर आएंगे.

नीता अंबानी

को देख उछल पड़े शाहरुख खान... झट से लगा लिया गले, बप्पा के दर्शन को पहुंचा पूरा बॉलीवुड

आज गणेश चतुर्थी है, यानी आज से ग्यारह दिनों तक बप्पा सबके घर में विराजेंगे और सभी को सुख-समृद्धि की सौगात देंगे. महाराष्ट्र में इस त्योहार की अलग ही धूम होती है और मुंबई में जगह-जगह गणेश उत्सव को बहुत धूमधाम से मनाया जाता है. बॉलीवुड में भी इस त्योहार को बहुत अच्छे से मनाया जाता है. कई सितारे अपने घर पर बप्पा को लेकर आते हैं. इसी बीच अंबानी परिवार ने भी बप्पा को घर बुलाया.

अंबानी परिवार हर साल की तरह इस साल भी गणेश चतुर्थी के त्योहार को बहुत शान से मना रहा है. इस उत्सव में हर बार की तरह इस बार भी सितारों का जमावड़ा लगा. उत्सव में बॉलीवुड के तमाम चेहरे शामिल हुए. इसी कड़ी में बॉलीवुड के बादशाह यानी शाहरुख खान, अपने पूरे परिवार के साथ अंबानी परिवार के घर चल रहे गणेश उत्सव का हिस्सा बनने के लिए पहुंचे.

बप्पा के दर्शन को पहुंचा शाहरुख का परिवार

सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है, जहां शाहरुख खान अपने परिवार के साथ इस जश्न का हिस्सा बनते नजर आ रहे हैं. वीडियो की शुरुआत में शाहरुख को सीढ़ियां उतरते देखा जा सकता है. इसके बाद वो नीता अंबानी से बेहद खुशी से मिलते हैं और दोनों एक दूसरे को गले से लगा लेते हैं. इसके बाद शाहरुख का परिवार, जहां पत्नी गौरी खान बेटी सुहाना और बेटे अबराम को भी बप्पा का आशीर्वाद लेते देखा जा सकता है. साथ ही शाहरुख के अलावा वहां करण जौहर, दीपिका पादुकोण को भी देखा जा सकता है.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है. वीडियो में शाहरुख को टीका लगवाते और बप्पा का आशीर्वाद लेते देखा जा सकता है. वीडियो फैंस को बहुत पसंद आ रहा है. आपको बता दें कि ना सिर्फ अंबानी परिवार, बल्कि कई और बड़े बॉलीवुड सितारों और टीवी स्टार्स ने भी अपने घर विघ्नगर्ता भगवान गणेश का स्वागत किया, और पूरी श्रद्धा से उनकी पूजा की.

लूट की झूठी सूचना देकर डेयरी संचालक से 10 लाख रूपए हड़पने वाले जीजा- साले गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर । थाना दनकौर पुलिस ने दूध की डेरी के संचालक को लूट की झूठी सूचना देकर उनसे 10 लाख रूपए हड़पने के मामले में जीजा- साले को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने फर्जी लूट का बहाना बनाकर रकम को हड़पने की योजना बनाई थी। आरोपी जीजा ने लूट की फर्जी कहानी को सही दशार्ने के लिए खुद को गोली मारकर घायल भी कर लिया। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

अपर पुलिस उपायुक्त जोन तृतीय सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि दिल्ली निवासी जितेंद्र शर्मा दनकौर में दूध का कारोबार करते हैं। उन्होंने 21 अगस्त को डेरी पर काम करने वाले उमेश को 10 लाख रुपए देकर अपने घर भेजा था। उसी रात में उसके भाई ने फोन करके बताया कि उसके भाई को बदमाशों ने यमुना एक्सप्रेस-वे पर गोली मार कर 10 लाख रुपए की रकम लूट ली है। उसका उपचार ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में चल रहा है। जितेन शर्मा को उमेश से मिलने अस्पताल पहुंचे। उनको शक हुआ की उमेश के साथ लूट नहीं हुई है, बल्कि वह उनकी रकम को हड़पने की नीयत से लूट की झूठी कहानी बना रहा है।

उन्होंने बताया कि पीड़ित ने बुधवार रात को थाना दनकौर पुलिस से शिकायत की।

उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर पूछताछ की तो पता चला कि रकम को हड़पने के लिए उमेश और उसके साले पवन ने मिलकर लूट की फर्जी कहानी बनाई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उमेश और पवन को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इनके पास से लूटे गए 10 लाख रुपए से भरा बैग, देसी तमंचा ,घटना में प्रयुक्त आर्टिका कार ,एक वैगनरआर कार बरामद किया है। उन्होंने बताया कि घटना को सही दिखाने के लिए उमेश ने अपने पास रखे हुए अवैध तमंचे से खुद के कंधे पर गोली मार ली थी। उसने तमंचे को झाड़ियां में फेंक दिया था।

शिकायत निस्तारण को लेकर प्रदेश में नंबर वन पर बरेली

बरेली,। स्मार्ट सिटी और नाथ नगरी के नाम से पहचान बना रहे बरेली में विकास कार्यों की गति को लेकर गुरुवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने सर्किट हाउस में अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि जो काम अधूरे हैं उन्हें समय पर पूरा कराया जाए और जो परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, उन्हें तुरंत सम्बंधित विभाग को सौंपा जाए।

बैठक में मंत्री ने शिकायत निस्तारण में बरेली की प्रदेश में प्रथम रैंक की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड और आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के समाधान में यह रफ्तार और बेहतर होनी चाहिए। मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर कहा कि जिन जगहों पर पेड़ लगाए गए हैं, उनका नियमित रखरखाव किया जाए। उन्होंने 17 सितम्बर से 22 अक्टूबर के बीच 7,500 पौधों के रोपण का अभियान तेज करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक फलदार पौधे लगाए जाएं और लोगों को अपने घरों और आस-पड़ोस में पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में यूनानी मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी चर्चा में रहा। अधिकारियों ने बताया कि कॉलेज का काम लगभग पूरा हो चुका है, केवल विद्युतीकरण शेष है। जिसे तेजी से पूरा किया जा रहा है। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह, नगर आयुक्त संजय कुमार मौर्य, वीसीबीडीए मणिकंदन ए., सीडीओ देवयानी और प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भंडारी उपस्थित रहे।

राष्ट्र के स्वाभिमान का प्रतीक है 'ऑपरेशन सिंदूर' : शिव प्रताप शुक्ल

गोरखपुर। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल आज अपने गृह नगर गोरखपुर स्थित आकाशवाणी स्टूडियो पहुँचे, जहाँ उनका अभूतपूर्व और गरिमामय स्वागत किया गया। इस अवसर ने आकाशवाणी गोरखपुर परिवार को गौरव और आत्मीयता से भर दिया। स्टूडियो आगमन पर अभियांत्रिकी प्रमुख राहुल सिंह तथा कार्यक्रम प्रमुख मनीष कुमार द्विवेदी ने पुष्पमाला एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर राज्यपाल का अभिनंदन किया। तत्पश्चात शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया गया और स्मृति-चिह्न प्रदान कर इस ऐतिहासिक क्षण को चिरस्मरणीय बना दिया गया।

इस गरिमामयी अवसर पर आकाशवाणी के सेवानिवृत्त वरिष्ठ उद्घोषक सर्वेश दुबे की उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र रही। श्री दुबे ने दशकों तक आकाशवाणी गोरखपुर को अपनी सधी हुई आवाज, गरिमामयी शैली और उत्कृष्ट प्रस्तुति से नई पहचान दी है। उनके स्वर न केवल पूर्वांचल, बल्कि दूरदराज क्षेत्रों में भी श्रोताओं के बीच लोकप्रिय रहे हैं। राज्यपाल स्वयं भी उनके योगदान का स्मरण करते हुए उन्हें आकाशवाणी की गौरवमयी परंपरा का आधारस्तंभ बताया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने ऑपरेशन सिंदूर का विशेष उल्लेख किया और इसे भारत की सामरिक शक्ति, सैन्य कौशल तथा अटूट राष्ट्रीय संकल्प का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा– ह्लऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्र की सुरक्षा, गरिमा और स्वाभिमान का सजीव प्रतीक है।

राज्यपाल ने आकाशवाणी गोरखपुर की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ के प्रसारण समाज में देशभक्ति, जागरूकता और नैतिक मूल्यों के संवाहक हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि आकाशवाणी इसी प्रकार अपनी विशिष्ट भूमिका निभाते हुए राष्ट्रनिर्माण में योगदान करता रहेगा।आकाशवाणी गोरखपुर परिवार ने इस आगमन को ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर मानते हुए कहा कि राज्यपाल की उपस्थिति और वरिष्ठ उद्घोषक सर्वेश दुबे जैसे दिग्गज प्रसारक की गरिमामयी सहभागिता ने इस क्षण को और अधिक ऐतिहासिक बना दिया। कार्यक्रम अधिशासी नूर मुहम्मद, प्रसारण अधिशासी दीपांकर कुमार मिश्र, अंकिता मिश्रा, आलोक कुमार, मनोज कुमार यादव तथा सहायक अभियंता के. सी. श्रीवास्तव एवं श्री डी. बी. सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर रिटायर्ड इंजीनियर से 9.63 लाख रुपए की ठगी

गौतमबुद्ध नगर। साइबर अपराधियों ने क्रेडिट कार्ड अपडेट करने के नाम पर एक सरकारी संस्थान के सेवानिवृत्ति इंजीनियर से 9.63 लाख रुपए की ठगी कर ली। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर साइबर क्राइम थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साइबर क्राइम थाने के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि सेवानिवृत्ति इंजीनियर जगतपाल ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह अमेरिकन एक्सप्रेस का क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करते हैं। 8 जुलाई को इंस्टाग्राम पर कार्ड अपडेट करने संबंधित विज्ञापन देखा। इस पर एक लिंक था। कार्ड अपडेट करने के लिए उन्होंने लिंक पर क्लिक किया। एक दो स्टेप में कुछ जानकारी मांगी गई। और पीड़ित ने उस जानकारी को दे दिया। इसके बाद लिंक बंद हो गया। अगले दिन उनके पास एक शख्स का फोन आया और उसने बैंक का कर्मी बनकर बात की। उसने क्रेडिट कार्ड का ऑनलाइन आवेदन करने के लिए लिंक भेजा। इंजीनियर ने ठग के बताने पर फॉर्म भर दिया। ठग ने तत्कालीन दिक्कत आने की बात कहकर कई बार आवेदन भरवाया। इस दौरान उसने उनके खाते से रकम ट्रांसफर कर ली। करीब आधे घंटे बाद ठग ने फोन काट दिया। बाद मे उसे पता चला कि उनके खाते से 9.63 लाख रुपए धोखाधड़ी करके निकाल लिए गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिक्योरिटी गार्ड ने अपने साथियों संग मिलकर कंपनी से किया लाखों का सामान चोरी

गौतमबुद्ध नगर। थाना नॉलेज पार्क में एक कंपनी के एचआर मैनेजर ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके यहां काम करने वाले सिक्योरिटी गार्ड ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके गोदाम से लाखों रुपए कीमत का सामान चोरी कर लिया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को इंद्र बहादुर पुत्र शिव पूजन यादव ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर 155 स्थित एक कंपनी में एचआर मैनेजर के पद पर काम कर रहे है। पीड़ित के अनुसार उनकी कंपनी से वहां पर पूर्व में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में काम करने वाले अभिषेक कुमार और उसके साथियों ने लाखों रुपए कीमत के अल्मुनियम फॉयल, नायलॉन फिल्म और अन्य सामान चोरी कर लिया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रयागराज वासियों को राहत भरी खबर, घट रहा है गंगा यमुना का जलस्तर

प्रयागराज। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत भरी खबर है कि गंगा व यमुना का जलस्तर बढ़ना थम गया है। बीते चौबीस घंटे के दौरान प्रयागराज में जलस्तर कम हुआ है। बाढ़ प्रभावित फंसे लोगों के लिए जिला प्रशासन एवं बाढ़ आपदा प्रबंधन की टीमें लोगों के सहयोग के लिए लगातार काम कर रही है।

बाढ़ को लेकर सूचना विभाग से शुक्रवार को जारी हुए आकड़े बता रहें है कि गंगा व यमुना का जलस्तर अब कम हुआ है। हालांकि सुबह 8 बजे तक गंगा के फाफामऊ घाट पर 84.42 मीटर पर खतरे के निशान के करीब है। जबकि बक्सी बांध पर 83.96 मीटर पर जलस्तर है। यहां लगभग 16 सेंटीमीटर जलस्तर कम हुआ है। इसी तरह प्रयागराज से वाराणसी की ओर गंगा में छतनाग के पास जलस्तर घटकर 83.96 मीटर पर पहुंचा गया है। यहां लगभग 24 सेंटीमीटर जलस्तर कम हुआ है।

सुरक्षा के मद्देनजर आपदा प्रबंधन की टीमे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर रही है। इसके साथ ही बाढ़ शिविरों में लोगों को लंच पैकेट की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही नगर निगम के नगर स्वास्थ्य अधिकारी बाढ़ प्रभावित शिविरों का दौरा करके वहां की व्यवस्था और संक्रामक रोगों से बचने के लिए दवाओं का भी वितरण करा रहें है।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर शहर में आयोजित होंगी कई प्रतियोगिताएं

कानपुर। भारत में 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस धूमधाम से मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं? यह राष्ट्रीय पर्व हॉकी खेलने वाले महान भारतीय खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की याद में मनाया जाता है। जिन्होंने अपने जीवन में हॉकी खेलते हुए कई खिताब अपने नाम करने के साथ ही देश को ओलम्पिक पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। जनपद में भी उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए देते हुए हॉकी का आयोजन किया जाता है।

हॉकी के जादूगर के नाम से विश्व विख्यात मेजर ध्यानचंद का जन्म 29 अगस्त 1905 में प्रयागराज (इलाहाबाद) में हुआ था। बचपन से ही उन्हें हॉकी खेलने का बहुत शौक था। जब उनके पास हॉकी स्टिक नहीं थी। तो वह छड़ी और डंडे की सहायता से हॉकी खेला करते थे। इस खेल के प्रति उनकी इस रुचि को देखते हुए बचपन में ही घर वालों ने उन्हें हॉकी स्टिक दिलाई।

इसके बाद वह घंटों प्रेक्टिस किया करते थे। छोटी सी उम्र में उन्होंने इतनी निपुणता हासिल कर ली थी कि बड़े से बड़े दिग्गज खिलाड़ी भी उनके आगे ज्यादा देर टिक नहीं पाते थे। यही कारण है कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हॉकी का जादूगर भी कहा जाता है।

कानपुर के सिविल लाइंस स्थित ग्रीन पार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल हॉकी प्रतियोगिताओं का आयोजन तमाम खेल संगठनों की ओर से किया जाता है। जिसके अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाता है।

वहीं राष्ट्रीय स्तर पर हॉकी खेल चुके खिलाड़ी सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि जिस तरह से सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट का भगवान कहा जाता है। ठीक उसी तरह से मेजर ध्यानचंद को हॉकी का जादूगर कहा जाता है। उन्होंने 22 साल से अधिक के करियर में उन्होंने करीब 400 गोल किए और टीम को तीन ओलम्पिक पदक दिलाए। यही कारण है कि आज भी उनकी याद में शहर में तमाम छोटे बड़े मैदानों में हॉकी की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

तेरहवीं संस्कार में आए दामाद की नाले में गिरकर मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में गुरुवार को शाम तेरहवीं संस्कार में शामिल होने गए दामाद की नाले में गिरकर मौत हो गई। मौत के पीछे शराब पीने की बात आ रही है।

मुस्करा कस्बा थाना क्षेत्र ऐंझी गांव निवासी दयाराम साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि आज उनके घर में तेरहवीं कार्यक्रम था। जिसमें शामिल होने बंडवा निवासी उपेन्द्र कुमार 30 वर्ष पुत्र श्यामबाबू उनका दामाद बेटी को लेकर सुबह आया था। इसके बाद से दामाद (उपेन्द्र)गांव में कहीं घूमने निकल गया। शाम को लगभग 5:30 बजे ग्रामीणों द्वारा सूचना मिली कि उपेंद्र घर से करीब 200 मीटर नहर के पास लगभग 4 फीट गहरे कच्चे नाले में गिरा पड़ा है। जिसे आनन-फानन उठाकर सभी लोग सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुस्करा लाए। जहां डॉ शिवजी गुप्ता ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।

वहीं ग्रामीणों ने बताया कि उपेंद्र ने शराब पी रखी थी। जिसके चलते नशे की हालत में वह नाले में गिर गया। और किसी का ध्यान उसकी तरफ नहीं गया। जब लोगों ने नाले में देखा तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बताया कि नशे की हालत में वह नाले में गिरा लेकिन निकल नहीं पाया।

इस घटना से तेरहवीं कार्यक्रम में पहुंचे सभी रिश्तेदारों में चीख पुकार मच गई। वहीं थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश तिवारी ने बताया कि उक्त मामले की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। सूचना मिलने पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

पत्नी की हत्या मामले में आरोपित पति को उम्रकैद

मुरादाबाद। मुरादाबाद के अपर जिला जज 9 के न्यायाधीश अरुण कुमार तृतीय की अदालत ने जिले के थाना छजलैट क्षेत्र में चार साल पहले हुई पत्नी की हत्या के मामले में गुरुवार को आरोपित पति को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही न्यायालय ने 75 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है।

छजलैट थाने में 30 जून 2021 को निधि गांव निवासी ऋषिपाल सिंह ने केस दर्ज कराया था। जिसमें उन्होंने बताया कि संभल जिले के रजपुरा थानाक्षेत्र के कमालपुर निवासी काले उर्फ कल्लू उर्फ कल्याण उनके घर कृषि कार्य करने आया था। वह अपनी पत्नी पूजा और बच्चों के साथ उनके घर ही रहता था और कृषि कार्य करता था। एक मई 2021 को काले पत्नी को साथ लेकर खेत पर काम करने गया था। शाम को काले वापस आ गया लेकिन उसकी पत्नी वापस नहीं आई।

पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसकी पत्नी पूजा अपने प्रेमी के पास आगरा चली गई। ऋषिपाल सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराने को कहा तो काले ने मना कर दिया और इधर-उधर की बातें करने लगा।

जम्मू रेल मंडल में रेल सेवा बाधित होने के कारण मुरादाबाद मंडल में संचालित होने वाली 13 रेलगाड़ियां प्रभावित

मुरादाबाद। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने गुरुवार शाम को बताया कि जम्मू रेल मंडल में रेल सेवा बाधित होने के कारण मुरादाबाद रेल मंडल में संचालित होने वाली 13 रेल गाड़ियां प्रभावित हुई है जिसमें ट्रेन संख्या 12469, 13151, 12331, 14609, 14611, 14692 और 14610 29 अगस्त को निरस्त रहेंगी।

सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि ट्रेन संख्या 12237 29 अगस्त को शार्ट टर्मिनेट होगी। रेलगाड़ी संख्या 12238, 13152, 15654 29 अगस्त को शायद ओरिजिनेट होगी।

शिकायत निस्तारण को लेकर प्रदेश में नंबर वन पर बरेली

बरेली। स्मार्ट सिटी और नाथ नगरी के नाम से पहचान बना रहे बरेली में विकास कार्यों की गति को लेकर गुरुवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. अरुण कुमार ने सर्किट हाउस में अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि जो काम अधूरे हैं उन्हें समय पर पूरा कराया जाए और जो परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, उन्हें तुरंत सम्बंधित विभाग को सौंपा जाए।

बैठक में मंत्री ने शिकायत निस्तारण में बरेली की प्रदेश में प्रथम रैंक की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि सीएम डैशबोर्ड और आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के समाधान में यह रफ्तार और बेहतर होनी चाहिए।

मंत्री ने पर्यावरण संरक्षण पर कहा कि जिन जगहों पर पेड़ लगाए गए हैं, उनका नियमित रखरखाव किया जाए। उन्होंने 17 सितम्बर से 22 अक्टूबर के बीच 7,500 पौधों के रोपण का अभियान तेज करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक फलदार पौधे लगाए जाएं और लोगों को अपने घरों और आस-पड़ोस में पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए। बैठक में यूनानी मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी चर्चा में रहा। अधिकारियों ने बताया कि कॉलेज का काम लगभग पूरा हो चुका है, केवल विद्युतीकरण शेष है। जिसे तेजी से पूरा किया जा रहा है। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह, नगर आयुक्त संजय कुमार मौर्य, वीसीबीडीए मणिकंदन ए., सीडीओ देवयानी और प्रभागीय वनाधिकारी दीक्षा भंडारी उपस्थित रहे।

लोलार्क छठ पर्व पर लाखों नि:संतान दंपतियों ने संतान की चाह में लोलार्क कुण्ड में लगाई आस्था की तीन डुबकी

एक दिन पूर्व ही श्रद्धालु स्नान के लिए कतारबद्ध होने लगे, स्कंद पुराण के काशी खंड के 32वें अध्याय में स्नान पर्व का उल्लेख

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में लोलार्क छठ पर्व पर शुक्रवार को लाखों निःसंतान दंपतियों ने संतान की चाह में कड़ी सुरक्षा के बीच भदैनी स्थित प्राचीन संकरे लोलार्क कुण्ड में एक-दूसरे का हाथ पकड़कर आस्था की तीन डुबकी लगाई। कुंड में डुबकी लगाने के बाद आस्थावानों ने अपने गीले वस्त्र और आभूषण कुंड में ही परम्परानुसार छोड़ दिए। इसके बाद नुकीली सुईयों से बिंधे हुए फल भगवान सूर्य को चढ़ा सन्तान प्राप्ति के लिए उनसे गुहार लगाई। पर्व की पूर्व संध्या गुरूवार दोपहर से ही कुण्ड में स्नान के लिए हजारों दम्पति लगभग दो किलोमीटर लम्बी लाइन में बैठकर स्नान के लिए अपनी बारी का इन्तजार कर रहे थे। धूप,उमस और गर्मी के बीच आस्था इस कदर हिलोरे मार रही थी कि कतार सोनारपुरा तक पहुंच गई। स्नान पर्व पर फल, फूल, पूजन सामग्री, भतुआ, श्रीफल, कदंब के फल साथ ही बनावटी पायल, बिछिया, नाक की कील और नथुनी जैसे जेवरों की सजी अस्थायी दुकानों पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। मेला क्षेत्र से जुड़ने वाली सड़कों पर जिला प्रशासन ने यातायात प्रतिबंधित किया है। लोलार्क षष्ठी पर्व पर ही रविन्द्रपुरी स्थित अघोराचार्य बाबा कीनाराम की तप स्थली क्रीं कुण्ड में भी निःसंतान दम्पतियों ने सन्तान प्राप्ति के लिए डुबकी लगाई। यहां मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तराखण्ड से भी श्रद्धालु स्नान के लिए एक दिन पहले ही आ गये थे। चंदौली के चहनिया की प्रभा सिंह,शकुंतला साथ क्रीं कुंड में आस्था की डुबकी लगा कर प्रफुल्लित दिखी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321